

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1978 (माघ 1, 1899)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1978 (MAGHA 1, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग Ш—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० ग्रार०-115/68 प्रशासन-5--निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री राम लाल माहनी ने दिनांक 1-12-77 के पूर्वाल में कार्यानय ग्रयोक्ष क, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्लो का कार्यभार त्याग दिया है।

बह दिनां रु 1-12-77 से 120 दिन की सेवा नियुत्ति पूर्व छुट्टी पर, जो उन्हें पहले इन्हार करदी गईथी, चले गए हैं।

दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० पी०-30/65-प्रणा० 5 — शाह जांच प्रायोग में नियुक्ति हो जाने पर श्रो पो० एए० महादेवन, पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रस्वेषण ब्यूरो, जम्मू की सेवाएं शाह जांच ग्रायोग को सौंप दी गई हैं। उन्होंने दिनां ह 31-10-77 के ग्रनराह्न में पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रोन ग्रन्वेनग बन्दो, जम्मू शाखा का कार्य भार त्याग दिया।

सं० ए० 19015/3/75-प्रणासन-5— श्री स्रो० पी० मैनो, श्रनुभाग अधिकारो, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय 1—426GI/77 ने दिनांक 22-12-77 के पूर्वीह्न में ध्रनुभाग श्रधिकारी, केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

भाह जांच भ्रायोग में प्रवर सचिव के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, दिनाक 22-12-77 (पूर्वाह्न) से उनकी सेवाएं भ्रायोग को सींप दी गई।

विजयपाल पाण्डे प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

- सं० O. II-1003/75-स्थापना---राष्ट्रपति ने कनिष्ट चिकित्ना ग्रधिकारी, डाक्टर राधः मोहन नन्दा, बेर हारिष्टल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली का त्यागपल दिनांक, 7-11-1977 ग्रपराह्म से स्थीकृत कर लिया।
- सं० O. II-1077/77 स्थापना---राष्ट्रपति डाक्टर रगलियास ग्रली खां महाभनजै को ग्रस्थायी रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी०

(251)

त्रो**ं ग्रेड II ( डी॰** एस॰ पी॰/ कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 17-12-77 श्रपराह्म में नियुक्त करने हैं।

> रा० के० बन्धोपाध्याय सहायक निर्देशक (प्रशासन)

## महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्र<mark>ौद्यो</mark>गिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० ई०-38013/(3)/13/77-कार्मिक—जादूगोडा से स्थानांतरित होने पर, श्री जी० एस० नूरपरी ने 8 नवस्थर, 1977 के झारराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/ 15/77- कार्मिक--हैदराबाद में स्थातांतरित होने पर, श्री ए० एस० शेखावत ने 3 दिसम्बर, 1977 के श्रपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लिमिटेड भिलाई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)/15/77- कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरित होते पर, श्री ए० एस० शेखावत ने श्री जे० गोम्स के स्थान पर 12 दिसम्बर, 1977 के श्रपराह्न से, के० श्री पु० व० प्रशिक्षण कालेज हैदराबाद के उप-प्रधानाचार्य के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री जे० गोम्स ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई० 38013 (3) /17/77- कार्मिक—भिलाई को स्थानां रित होने पर, श्रो एस० पो० मूलचंदानी ने 16 नवम्बर 1977 के ध्रपराह्म से के० भौ० सु० ब० यूनिट ग्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सी० **बि**ष्ट महानिरीक्षक

# वित्त मंत्रालय श्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

पद्म सं० बी० एन० पी० / सी०/23/77 — इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी० / ई०/ ८/ एम०-६ दिनांक 27-9-77 के ग्रनुकम में श्री एम० एल० नारायण, उपनियंत्रण ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 7/12/77 (पूर्वाह्म) से 3 मास की श्रवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबन्धक

## कायीलय महालेखाकार

चाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिन<sup>;</sup>क 30 दिसम्बर 1977

कार्यालयादेश सं० प्र० 1/158—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री बलराम श्रनुभाग ग्रिधकारी (लेखा एवम् लेखा परीक्षा) को 23-12-77 (ग्रप-राह्म) से श्रनन्तिम श्राधार पर श्रस्थायी तौर से लेखा ग्रिधकारी के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० एस० मान उप महालेखाकार (प्र०)

## मुख्य लेखा गरीक्षक, का कार्यालय उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन/ 17-22/73—मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे ने सर्वेश्री राम लाल मैंनी श्रीर हरचरण सिंह भाटिया को लेखा परीक्षा श्रिधिकारी के कैंडर में क्रमशः 1 श्रगस्त, 1977 और 1 नवम्बर 1977 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

कु० भारती प्रसाद उप मुख्य लेखा परीक्षक

# कार्यालय निदेशक ले**खा** परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, विनांक 29 दिसम्बर 1977

मं० ए० प्रशासन / 130 /77—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा मेशाएं, निम्नलिखित अधिनस्थ लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन रूप में, श्रागामी आदेश तक, सहर्ष नियुक्त करसे हैं।

ऋमस० नाम	कार्यालय जज्ञां नियुक्ति नियुक्ति व की गई है। तिथि ।	—— ही
सर्वश्री १. एत० वैनकटा रमणन्	लेखा परीक्षा श्रधिकारी 12-9-7 रक्षा सेवाएं, विश्री ।	7
2. घारि० एल० जाटेव	वरिष्ठ उप-मुख्य ले <b>खा</b> 14-10-7 परीक्षा ग्रा <b>युढ फै</b> क्टरी, जजलपुर।	7
3. ग्रार० स्घृतध्यत	बरिष्ठ उप निदेशक 14-11-7 नेखा परीक्षा रक्षा सेवाए दक्षिणी कमान, पूना ।	7

के० बी० दास भौमिक वरिष्ठ उप-निदेशक लेखापरीक्षा

## रक्षालेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई विल्ली-22, दिनाक 29 दिसम्बर 1977

71019(9) / 77 प्रशा॰ -II--राष्ट्रपति, 1976 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सम्मिलित प्रति-योगिता परीक्षा के परिणामस्वरूप निम्नलिखित व्यक्तियों को परिवीक्षार्थी के रूप में भारतीय रक्षा लेखा सेवा में, उनके नाम के ग्रागेदी गई तारीखों से सहर्ष नियक्त करते हैं।

ऋम सं० नाम	नियुक्ति की तारीख
<ol> <li>श्री जी० के० मेनन</li> <li>श्रीमिति प्रीति पटनायक</li> <li>श्री सुहास बनर्जी</li> <li>श्री अशोक कुमार चोपड़ा</li> <li>श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन</li> <li>श्री प्रमित कौशिश</li> </ol>	7-11-77 (पूर्वाह्न) 18-7-77 (पूर्वाह्न) 14-7-67 (ग्रपराह्म) 12-7-77 (पूर्वाह्म) 8-11-77 (पूर्वाह्म) 14-11-77 (ग्रपराह्म)
<ol> <li>श्री प्रवीप के० दास</li> <li>श्री कंवल मनजीत ग्रंगुराला</li> </ol>	13-12-77 (पूर्वाह्न) 7-11-77 (पूर्वाह्न)

वी०एस० भीर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

## रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य श्रेणी)

मद्रास-18, दिनांक 24 सितम्बर 1977

केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियम, 1965 नियम 5 के उपनियम (1) के प्रावधान के ग्रांतर्गत जारी किए गए सेवा समाप्ति का श्रादेश।

सं प्रशा / 11/8316769 :--- केन्द्रीय सिविल सेवा ( ग्रस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के प्रावधान के प्रनुसार, मैं श्रीमती बी० ए० वसन्त कमारी ग्रस्थायी लेखा परीक्षक लेखा संख्या 836769 की सेवा तूरन्त समाप्त करता हूं श्रीर निर्दिष्ट करता हूं कि जो बेतन भत्ते वह सेंवा समाप्ति के तुरन्त पहले पा रही थी, उसी वेतन भत्ते के बराबर की धनराशि सूचना-श्रवधि के लिए भी अथवा अपेक्षित सूचना अवधि में जितना दिन कम पड़ता है उतने दिन के वेतन भत्ते पाने का हकदार होगी (यथा प्रसंग जैसी बात हो )।

> भ्रार० वेंकटरामन, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी)

महानिवेशालय, ब्रार्डनेन्स फैक्टरियां भारतीय श्रार्कनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

स० 84/77/ जी० --राष्ट्रपति निम्नलिखित ग्रधिकारियों को सहायक प्रबन्धक परखावधि (परखावधि पर ) उनके सामने दर्शायी गयी तारीख से नियुक्त करते हैं :---

भी बुज बल्लभ शर्मा डा० एन० वी० मुरलीधरन 10 वीं भप्रैस, 1973

21 वीं मार्च, 1973

डा० प्रतुल नाथ चक्रवर्ती श्री मिलन कुमार कोव श्री ग्रशोक विश्वास श्री अभीक कुमार मखोपध्याय श्री कृष्णैयर विश्वनाथन्। श्रीराम प्रकाश शर्मा श्रीमुन्नीलाल श्री भिज वेने डिक्ट श्री बालचन्द्र शिवराय शिरुर डा० विश्वम्भर नाथ सिंह डा० देव रंजन मिश्रा श्री रामास्वामी कृष्णन् श्री सुप्रमनियन रामामति श्री बासदेव प्रकाश हजैला (विमुक्त) श्री हरजीत सिंह डा० प्रणव कमार सन्याल डा० स्रोम प्रकाश यादव डा० संजय कुमार घोष डा० स्वदेश रंजन चक्रवर्ती श्री सुभाष चन्द्र माजी श्री विनोद बिहारी फारस श्री भरत चन्द्र मण्डल डा० काजी घजनफार म्रली श्रीश्रो निवासन नर[सहन् डा० राम सनेही श्री भ्ररुण कुमार कल्सी डा० दिग् विजय लाल रेवाल डा० ग्रजय क्मार बोस श्री दोपक कुमार सरकार

1 वीं मार्च, 1973 29 बी मार्च, 1973 10 वीं ग्रप्रैल, 1973 29 वीं मार्च, 1973 29 श्री मार्च, 1973 19 वीं फरवरी, 1973 22 वीं मार्च, 1973 20 वीं फरवरी, 1973 4 वीं **अप्रैल, 197**3 30 वीं भ्रम्तूबर, 1973 7 मीं० फरवरी, 1974 28 वीं सितम्बर, 1973 12 वीं० प्रक्तूबर, 1973 30 वीं नवस्थर, 1973 6 वीं जुलाई, 1974 10 वीं जन, 1974 7 वीं मई, 1974 1 वीं जुलाई, 1974 29 वीं मप्रैल, 1975 7 वीं जनवरी, 1975 10 वीं मार्च, 1975 21 वीं नवम्बर, 1974 11 वीं भ्रप्रैल, 1975 10 वीं जुलाई, 1975 10 वीं अप्रैल, 1975 28 वीं श्रप्रैल, 1975 3 सरी **श्रप्रैल**, 1975 10 वीं ग्रप्रैल, 1975 1 वीं भूक्तूबर, 1975

सं० 85/77/ जी० --राष्ट्रपति निम्नलिखित ऋधिकारियों (परखावधि पर) उनके को सहायक प्रबन्धक परखावधि सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :---

श्री गुरचरण सिंह भुल्लर (विमुक्त) 3 सरी जुलाई, 1975 श्री के० एम० रवि कुमारन् नायर श्री म्रजीत एम० नायक श्रोजो० बोरभद्रप्पासिवकुमार श्री मालाकिशवरिग्रथ् श्रीधरा जथ-

प्रकाश श्री ग्रशोक कुमार ग्रोवर श्री शरत् चन्द्र गुप्ता श्री अयन्त कुमार श्रग्रवाल श्री उमेश माधव प्रभूदेसाई थी रामावतार ग्रग्रवाल श्री मनीन्द्र नाथ पुटाटुण्डा थी सुभाष चन्द्र श्री अजय शंकर श्री एस० चन्द्रशेखर श्री भशोक कुमार प्रग्रवाल

22 वीं जनवरी, 1973 **7 वीं फरवरी, 197**3 18 वीं विसम्बर, 1972

7 **वी फरवरी, 1973** 6 वीं फरवरी, 1973 <sup>'9</sup> वीं फर**वरी**, 1973 25 वीं मई, 1973 11 वीं जनवरी, 1973 24 वीं जनवरी, 1973 29 वीं दिसम्बर, 1972 30 वीं मई, 1973 1 वीं फर**व**री, 1973 21 वीं मार्च, 1973 30 बी विसम्बर, 1972

श्री जयतिलक विश्वास	7 वीं फरवरी, 1974
श्री कृष्णमोहन ग्रद्दी (दिवंगत)	7 बी फरवरी, 1974
श्री ग्रनिल कुमार सिंह	7वी मार्च, 1974
श्री टी० के० विजयरागवन्	19वीं मार्च, 1974
श्री भ्रनन्त शंकर पुंडली	7वीं फरवरी, 1974
श्री ग्रभिमान प्रसाद विपाठी	7वी फरवरी, 1974
श्री सुभाष चन्द्र तालुकदार	19वीं मार्च, 1974
श्री विजय कुमार जैन	4वीं जून, 1974
श्री श्रभयनन्दन प्रसाद	6वीं मई, 1964।
श्री रवीन्दर मोहन गुप्ता	<b>7वी फरवरी, 197</b> 4
श्री हेमन्त शंकर पुंडली	7वीं फरवरी, 1974
श्री मंगलेश कुमार सुराना	2 7वी जून, 1974
श्रो प्रशोक कुमार	7वीं मार्च, 1974
श्रो हरदीप सिंह (विमुक्त)	1ली ग्रगस्त, 1974
श्री पी० प्रकाश राव	7वीं फरवरी, 1974
श्री प्रताप चन्द भ्ररोरा	2 5वीं मार्च, 1974
श्री देशराज नागपाल	7वीं फरवरी, 1974
श्री के० चन्द्र मोहन राव	<b>7वी फरवरी</b> , 1974
श्री सुकुमार कोले	8वी जुलाई, 1974
श्री उमाकांत कुलश्रेष्ठ	7वी फरवरी. 1974
श्री सेवासतयन जीसेफ	7वी मई, 1974
श्रीजय प्रकाश शर्मा	7वीं जून, 1974
श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	4थी मार्च, 1974
श्री रमेश चन्दर ग्ररोरा	2सरी फरवरी, 1975
श्री एस० राजागोपालन्	7वी फरवरी, 1974
श्री लक्ष्मण कुमार	29वीं मार्च, 1974
श्री म्रार० पद्मनाभन् नायर	7वीं फरवरी, 197 <b>4</b>
श्री मेहर सिंह	7वीं फरवरी, 1974
श्री पुलक कान्ति भौक्षि	1ली जन, 1974
श्री नन्द कुमार	1ली मार्च, 1974
श्री भूप सिंह	27 वीं भ्रप्रैल, 1974
श्री महेश प्रसाद	7 वी फरवरी, 1974
श्री प्रारीप्पा कुंगट्टी सुरेन्द्रन्	2 सरी , दिसम्बर, 1974
श्रीकृष्ण कुमार गर्ग	13 वीं जनवरी, 1975
श्री दिनेश मोहन गुप्ता	28 वी नवम्बर, 1974
श्री समीन्द्र नाथ दत्ता	17 वीं फरवरी, 1975
श्री सुशील ठाकुर	31 वी मार्च, 1975
श्री कृष्ण गोपाल गुप्ता	18 वीं नवम्बर, 1974
श्री रमन गुम्बर	7 वीं फरवरी, 1975
श्री प्रकास नारायण	10 वी फरवरी, 1975
श्री सीता राम ग्रग्रवाल	3 सरी जनवरी, 1975
श्री कृष्ण स्वरूप गुप्ता	17 वीं फरवरी, 1975 <b>रै</b>
श्री बाबू राम मोंगा 	23 वीं ग्रप्रैल, 1975
श्री भ्रनील कुमार शुक्ला	2 सरी दिसम्बर, 1974
श्री राजीन्दर कुमार	17 वीं जनवरी, 1975
श्री राकेश बाबू	29 वीं भ्रप्रैल, 1975 -
भी शाहब श्रहमद	17 वीं फरवरी, 1975

श्री भ्रशोक कुमार मलिक (विमुक्त) 28 वीं नवस्बर, 1974 श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता 17 वी फरवरी, 1975 श्री सतीश चन्दर मलहोन्ना 25 वी नवस्बर, 1974

### दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 86/77/जी० :—-राष्ट्रपति निम्नलिखित श्रिधकारी को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश होने तक, नियुक्त करते हैं :--

श्री के० के० भट्टाचार्जी, स्थानापस सहायक प्रबन्धक 19 वी सितम्बर, 1977।

सं० 87/77/जी० :—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रधिकारी को स्थानापन्न प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, प्रागामी प्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीकृष्ण दास, स्थायी उप-प्रबन्धक , 30 जून, 1977 । एम० एन० शुक्ला,

एम० एन० शुक्ला, सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियाँ

## कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 2/77/ए०/एम०:—-राष्ट्रपति निम्नलिखित म्रधिका-रियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, म्रागामी भ्रादेश होने तक, नियुक्त करते हैं:—

हान तक, ानथुक्त करत ह	<b>-</b>	
ऋम सं० नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
<ol> <li>डा० सुभाष चन्द्र मिश्रा, सहायक चिकित्सा ग्रिधिकारी।</li> </ol>		5-10-77
<ol> <li>डा० जोगेन्द्र नाथ प्रस्ती, सहायक चिकित्सा ग्रिधकारी।</li> </ol>		10-10-77
<ol> <li>डा० पी० बी० रामा- सुब्बा रेड्डी, सहायक चिकित्सा श्रिधकारी।</li> </ol>	-	10-10-77
4. डा० बी० के० गौर, सहायक चिकिस्सा		24-9-77
ग्रधिकारी । 5. डा० के०पी० सोम- कुमार,सहायक चिकित्सा		3-10-77
क्रधिकारी । 6. डा० विनय कुमार चढ़ा सहायक चिकित्सा		10-10-77
श्रधिकारी । 7. डा० केशव सिंह सागर, सहायक चिकित्सा		5-9-77
अधिकारी । 8. डा० प्रतिपाल, सहायक चिकित्सा प्रधिकारी		29-9-77

मधिकारी ।

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

1 2	3	4	1 2 3 4
<ol> <li>डा० (कुमारी) सावित झारिया, महायक चिकित्सा ग्रिधकारी ।</li> </ol>	भण्डारा	1-9-77	24. डा० हेमेन्द्र सिह, क्लोदिग फैक्टरी, 10-10-77 महायक चिकित्सा शाजहापुर श्रिधकारी।
10. डा० श्रीकृष्ण महापान्न सहायक चिकित्स ग्रिधकारी।		30-8-77	25 डा० पी० कृष्णमूर्ति, श्रार्डनैन्स फैक्टरी, 15-9-77 सहायक चिकित्सा कानपुर । श्रधिकारी ।
11. डा० (श्रीमती) गीत महन्ती, सन्ययक चिकि त्सा श्रिधकारी।		29-9-77	26 डा० ए० त्यागी, श्रम्युनिशन फैक्टरी 5-9-77 सहायक चिकित्सा किरकी ग्रधिकारी
12. डा० पी० बी० प्रकाश राव, सहायक चिकित्स प्रिधिकारी।	ा जबलपुर	3-10-77	27. डा० बालकृष्ण पण्डा, राइफल्स फैक्टरी, 7-10-77 सहायक चिकित्सा ईशापुर ग्रिधकारी।
13. डा० बी० नागेश्वः राव सुबुधि, सहायष् चिकित्सा श्रधिकारी ।	क किरकी	27-9-77	28 डा०एन० पी० श्रीधर, म्रार्डनेन्स फैक्टरी, 6-10-77 सहायक चिकित्सा खमरिया श्रधिकारी ।
14. डा० पी० बी० चन्द्रन सहायक चिकित्स ग्रिधिकारी।		5-9-77	29. डा०एम० जी० वशिष्ट आर्डनैन्स फैक्टरी, 20-10-77 सहायक चिकित्सा श्रम्बाक्षारी
15 डा० डी० श्रीनिवासन सहायक चिकित्स अधिकारी।		14-9-77	श्रधिकारी। 30 डा० विश्वनाथ साहा, मेटल एण्ड स्टील, 15-9-77 सहायक चिकित्सा फैक्टरी, ईशापुर
16. डा० सुन्दरेश कुमार पी०, सहायक चिकित्स श्रधिकारी।		7-10-77	श्रिकारी। 31. डा <b>० एम० श्रार० एल० क्लोदिग फैक्ट</b> री, 1-11-77 कुमार, सहायक चिकि:- श्रबादी
17. डा० प्रफुल्ल कुमार रथ, सहायक चिकित्स ग्रिधिकारी।		7-9-77	त्मा ग्रधिकारी। 32 डी० बी० एम० चन्द्र- वोहिकल फैक्ट्री ग्रेखरन्, सहायक जबलपुर 7-11-77
18. ग्रहण राय, सहायः चिकित्सा ग्रधिकारी	क <mark>गन एण्ड श</mark> ोल फैक्टरी, काशीपुर	12-9-77	चिकित्सा भ्रधिकारी । ————————————————————————————————————
19. डा० बी० राजेन्द्रन्, सहायक चिकित्स ग्रिधिकारी।	श्रार्डनैन्स फैक्टरी,	13-10-77	स्वास्थ्य सेवा निदेशक <b>कृते म</b> हानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरिया
20. डा० सचित्रा नन्द महन्ती, सहायक चिकि त्सा ग्रधिकारी ।	, मेटल एण्ड स्टील - फैक्टरी, ईशापुर	17-8-77	विस्फोटक सामग्री विभाग नागपुर,दिनाक 23दिसम्बर 1977 स <b>्ई०-II (7) ––</b> इस विभाग के दिनाक 11 जु <b>ला</b> ई,
21. डा० वी० जे० जोस सहायक चिकित्स ग्रिधिकारी।		6-9-77	1699 के श्रधिसूचना स० ई०-Ш (7) में —- श्रणी-2 नाइट्रेट मिश्रण के ग्रधीन (i) प्रविष्टि "परमेफ्सी-5"में "1977" ग्रको के स्थान
22. डा० मोहन्त के० लैंग- थाम, सहायक चिकित्स श्रधिकारी।		19- <b>9</b> 77	पर "1978 " श्रंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे। (ii) श्रेणी-3-भाग-1 प्रविष्टि "सीलिप्रुफ" में "1977 " स्रको कस्थान
23. डा० ग्रार० एम० कृष्ण		10-10-77	पर "1978 "ग्रके प्रतिस्थापित किये जाएंगे।
मूर्ति, सहायक चिकित्स मधिकारी	। करका।		इगु <b>व नरसिंह मू</b> र्ति

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन-ग्रनुभाग-I) नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० प्र०-1/1 ( 882) / II — राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II के श्रीधकारी श्री सुरजीत लाल के भारतीय परियोजना श्रीर उपकरण नियम लि० से प्रतिनियुक्ति से लौटने पर उन्हें पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिली में दिनांक 1 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी श्रादेशों को जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## ग्राकाशवाणी महानिदेशालय नई विल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० 4 (74)/ 77-एस०-I -- महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती कैलाश कुमारी गुप्ता को आकाशवाणी कुर्सियांग में 1-12-1977 से श्रगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

## भाभा परमाण् श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० डी० / 1375/एफ० ग्रार० डी० / स्था० I / 9834— निम्निलिखित ग्रादेश जो 23 नवम्बर, 1977 को रसीदी रजिस्ट्री द्वारा इस ग्रनुसंघान केन्द्र के श्री जाली एन्योनी डीकास्टा, कारीगर ए' को उनके पते पर भेजा गया था। डाक ग्रधिकारियों की दिनांक 28 नवम्बर की इस टिप्पणी के साथ क्योंकि "जगह छोड़ गया, इसलिए भेजने वाले को लौटा दिया गया" वापिस ग्रा गया। ग्रतः इस ग्रादेश को राजपन्न में प्रकाशित करना है।

#### ग्रादेश

नियुक्ति प्रस्ताव सं०पी०ए०/63 (18)/76-आर०-ा दिनांक 18/19 मार्च, 1977 के पैरा 1 (ए०) और ज्ञापन पल सं०पी०ए०/डी०/1375/आर०-1 दिनांक 20 जुलाई, 1977 के अनुसार श्री जाली एन्थोनी डी'कास्टा, कारीगर 'ए' प्रेफी की सेवाएं, जो परिवीक्षा पर थे, तुरन्त समाप्त की जाती है।

> जी० बी० कु**लक**र्णी **अध्यक्ष**

## परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पामी परियोजनाएं वस्वई, विनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 05045/77/6800-- भारी पानी परियोजनाम्नों के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री हशमत विश्वनदास अवलामणी, स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी III, भारी पानी परियोजना (कोटा) जो अब बाह्य सेवा राष्ट्रीय संस्था श्रम अभियान्त्रिक प्रशिक्षण बम्बई में हैं, को भारी पानी परियोजनाम्नों में एक अगस्त, 1977 से मौलिक रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भाषापएं / स्था०/ 1/ घ-39/ 6801 — भारी पानी परियोजनात्रों के विशेष-कार्य-ग्रधिकारी, श्री यशवस्त पुरुषोत्तम घारपुरे, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भाषा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र तथा स्थानापन्न प्रवरप्रक्रम लिपिक, भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) को उसी कार्यालय में 11 नवस्वर, 1977 से 24 नवस्वर, 1977 तक की ग्रविध के लिए श्री र० न० रामचन्दानी सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, जिन का छुट्टी बढ़ाना स्वीकार कर लिया गया है, के स्थान पर सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, नियुक्त करसे हैं।

### दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 05052/77/6838 -- भारी पानी परियोजनाभ्रों के, विशेष-कार्य-ग्रिधकारी, श्री डी०पी० माथुर, स्थायी लिपिप्रक्रम- विधा स्थानापन्न श्रमुभाग श्रीधकारी (लेखा) पश्चिम रेलवे जो अब भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में सहायक लेखा श्रीधकारी प्रति नियुक्त हैं, को उसी परियोजना में तदर्थ श्राधार पर 21 नवम्बर, 1977 से 24 दिसम्बर, 1977 तक श्री श्रार० बी० कुलकणीं, लेखा श्रीधकारीं, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न लेखा श्रीधकारीं नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सस्यकीति वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

## म्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलीर, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 020/3 (061) /77--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्निलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर तथा तारीखों के पूर्वीह्न से आगामी आदेश तक, ग्रस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह बंगलौर में नियुक्त करते हैं:--

क्र <b>म संख्या</b>	नाम	पदनाम	तारीख
1. श्री <b>म्रा</b> र	० शिल्वा कुमार	इंजीनियर एस० बी०	1-9-1977
2. श्रीपी०	ग्रार० रामराज	इंजीनियर एस० ग्री०	30-9-1977

(1)	(2)	(3)	(4)
3. श्रीमो	हमद गौस	इंजीनियर एस० बी०	10-10-77
4. श्रीए०	नारायणस्वामी	<b>इं</b> जीनियर एस० बी०	1,4-11-77
5. श्री सई	दे तमिजुद्दीन	इंजीनियर एस० बी०	12-12-77
		-	 म०के० वसू, ान अधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० ए० 31013/3/76-ई० ए० —राष्ट्रपति ने शी के० गोपाल, वरिष्ठ विमान सुरक्षा ग्रधिकारी को नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग ग्रौर विमानक्षेत्र संगठन में 13 सितम्बर, 1977 से वरिष्ठ विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी के ग्रेड में स्थाई रूप से नियुक्त किया है।

> विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

## वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं॰ 16/279/77-स्थापना I: -- श्रध्यक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मैथ्यू जार्ज को दिनांक 9 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेशों तक वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के श्रधीन कोयम्बट्र में पांचवी पंचवर्षीय योजना के श्रन्तर्गत 'वन मृदा श्रयोगशाला, वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण' स्कीम में महर्ष श्रनुसंधान श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० 16/264/77-स्थापना-I:-- श्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री हिमाब्रि रंजन धर, वन राजिक, त्रिपुरा वन विभाग को दिनांक 11 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रावेशो तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय देहरादून, के श्रधीन बनिहाट में पाचनी पंचवर्षीय योजना के श्रन्तर्गत 'बीज कोष श्रौर बीज सुधार तथा वृक्ष प्रजनन केन्द्र स्थापना' स्कीम में महर्ष श्रनुसंधान श्रधिकारी नियुक्त करते है।

### दिनांक 29 दिसम्बर 1977

मं० 16/276/77-स्थापना-I -- ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसधान सस्थान एवं महाविद्यालय, देहरावून, श्री दिनेश प्रसाद उनियाल, ग्रनुसंधान महायक वर्ग प्रथम की दिनांक 27 प्रक्तूवर, 1977 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्या- लय, देहरादून, के प्रधीन पांचवीं पंचवधीय योजना के प्रन्तर्गत "(1) नीज कोष घोर (2) नीज सुधार घोर वृक्ष प्रजनन स्कीम, हैवराबाव" के देहरादून केन्द्र में सहर्ष अनुसंधान ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० 16/275/77-स्थापना-I:— श्रध्यक्ष, वन श्रनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरावून, श्री सी० जे० एस० के० इम्मानुएल को दिनांक 15 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाल्ल से श्रगले श्रादेशों तक वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के श्रधीन पांचवीं पंचवर्षीय योजना के श्रन्तगंत (1) बीज कोष श्रौर (2) बीज सुधार श्रौर वृक्ष प्रजनन केन्द्र, कोयम्बट्टर स्कीम में, सहर्ष श्रनुसंधान श्रधकारी नियुक्त करते हैं।

पी० श्रार० के० भटनागर, कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय उत्पाद शुस्क तथा सीमा शुस्क समाहर्तालय बम्बई, दिनांक विसम्बर 1977

सं 11/3-ई० (ए) 2/77-पार्ट-1~-निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समा-हर्तालय में स्थानापन्न प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'बी' के रूप में ग्रपने नामों के श्रागे ग्रंकित तारीखों को कार्यभार सम्भास लिया है:

क्रम संख्या	नाम			नार्यभार सम्भा <b>लने की</b> तारी <b>ख</b>
-(1)	(2)			(3)
ा. श्री एस	० के० मखीजानी		•	20-4-76 (भ्रपरा <b>ञ्ज</b> )
2. श्री सी व	वाई० देवस्थली	•	•	1-5-7 6 (पूर्वाह्न)
3. श्रीपी०	ए० चोणकर			28- <b>6-7</b> 6
4. श्रीगुरु	शरण सिंह		•	28-6 <b>-</b> 76
5 श्रीजे०	सी० पटेल		•	21-6-76
6. श्री एस	० एस० रिसबुड			23-6-76
7. श्री एम	० जे० डिसोजा			24-6-76
৪. श्रीवी०	के० जोशी			30-6-76
9. श्री <b>ए</b> ०	एफ० गोन्सालविस			23-6-76
10. श्री जे०	टी० केशवानी			26-6-76
11. श्री ए०	के० खोपकर			26-6-76
12. श्री बी ०	एस० पवार			22-6-76
13. श्रीवी	• डी० सूरती			~2 <b>4-6-7</b> 6
	० आर० ग्रहिरे		•	9-6-76

(1)	(2)		-	(3)
 15. श्रीबी० ए	— ः— : ए० काम्बले		•	8-9-76
16. श्रीबी० ट	ी० मोरे		-	7-9-76
17. श्री एस०	वी० काम्बले			24-9-76
18. श्रीबी०ए	<i>्न</i> ० का <b>य</b> ले			4-10-76
19. श्रीपी० ज	ी० गरुडे	•		6-10-76
20. श्रीएच०	जे० नेट्टो	•		7-2-77
21. श्रीबी०	डी ० पटेल			9-2-77
22. श्री एस०	बी० बन्जारे			8-2-77
23. श्रीबी० ड	डी० नात्			7-2-77
24. श्रीश्रार०	के० पडकी			8-2-77
25. श्रीजी०	बी० धारप			7-2-77
26. श्रीश्रार०	एस० पंजवानी			19-2-77
27. श्रीएस०	जी० नान्दे	•		1-3-77
28. श्रीबी०ए	.न <b>०</b> सिंह			25-3-77
29. श्रीए० बं	ो० वैद्य			5-4-77
30. श्रीग्रार०	एम० राजाध्यक्ष			4-6-77
31. श्री मार०	एन० भोसले			8-7-77
32. श्रीके०ए	ल० देसाई		+-	19-7-77
33. श्रीएन०	के० चव्हाण		•	21-7-77

ई० ग्रार० श्रीकण्ठय्या ॄसमाहर्ता

## कानपुर, विनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 127/77—श्री जे० पी० मगरान निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुक्क ने, ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुक्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर ग्रपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-140-ई० टी०/79/पार्ट/44626, दिनांक 23-9-77 के ग्रन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना ग्रादेश सं० 1/ए/354/77, दिनांक 23-9-77 ग्रधोक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुक्क गाजियाबाद-1 के पद का कार्यभार दिनांक 24-9-77 (पूर्वाह्म) ग्रहण किया।

सं० 128/77—श्री दमन सिंह, कार्यालय, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जिनकी पदोन्नति प्रशासन श्रधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के सम्वर्ग में हुई है, देखिये पृष्ठांकन पत्न सं० 11(3) 98-ई० टी०/77/6839, दिनांक 11 मार्च, 1977 के ग्रन्तगंत निर्गत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहत्तिय, इलाहाखाद/कानपुर का स्थापना श्रादेश में श्री श्रार० पी० नन्दा, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जानपुर-1 को श्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए श्रशासन

अवधिकारा, कन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', कानपुर-1 मङल कार्यालय का कार्यभार दिनांक 4-6-1977 (पूर्वाह्म) को ग्रहण किया।

> के० पी० **धानन्द**, समाहर्ता

## पटना, दिनाक 3 जनवरी 1978

सं० 11(7) 1-स्था०/77/58-- केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा गुल्क समाहर्तालय पटना के श्री एन० एस० मुखर्जी, स्थानापन्न सहायक समाहर्ता श्रपनी सेवा की श्रायु पूरी कर दिनांक 31-8-77 के अपराह्म में सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11(7) 1-स्था०/77/59--केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा गुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित अधीक्षक श्रेणी 'बी' अपनी सेवा की आयु पूरी कर । उनके नामों के सामने दिए गये तिथि और समयानुसार सेवा निवृत्त हुए :

ऋमांक	नाम			सेवा निवृत्त होने की तिथि
1. श्री	के०पी० चौधरी	•	•	3,1-8-77 (ग्रपराह्न)
2. श्री	बी० एन० श्रीवास्तव	-	•	30-9-7 <b>7</b> (भ्रपराह्स)
3. श्री	भ्रार० के० पी० सिन्हा	-	-	30-10-77 (ग्रपराह्न)
4. श्री	जे० एन० बहादर	•		30-11-77 (श्रपराह्न)
5. श्री	वी० निकोलस		•	30 <b>-</b> 11-7 <b>7</b> (श्रपराह्न)

हरि नारायण साह, समाहर्ता

## नारकोटिक्स विभाग ग्वालियर,दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 9 कन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद से स्थानांतरण पर श्री एन० एस० वेदी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधीक्षक समूह 'ख' ने जो 7 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्म में जिला प्रकोम ग्राधिकारी, भवानीमंडी का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 10--- चित्तोड़गड़-1 प्रभाग से स्थानांतरण पर श्री डी० बी० शर्मा, जिला श्रफोम श्रधिकारी ने 7 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्म में जिला श्रफोम ग्रधिकारी, बदायूं का कार्यभार संभाल लिया।

1

करु संरु 11- भवानी मंडी से स्थानांतरण पर श्री एचरु एसरु बेदी, जिला श्रफीम श्रधिकारी, ने 18 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्म में जिला श्रफीम श्रधिकारी, चिसोड़गड़ का कार्यभार संभाल लिया।

ऋ० सं० 12---ग्वालियर से स्थानांतरण पर श्री डी० डी० गर्मा, श्रासूचना श्रधिकारी ने 4 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में जिला अफीम श्रधिकारी, श्रकलेरा का कार्यभार संभाल लिया।

> म० ला० वधावन, नारकोटिक्स प्रायुक्त

## केन्द्रीय जल ग्रायोग नईंदिल्ली-22, दिनांक 31दिसम्बर 1977

सं० क-19012/629/76-प्रणासन पांच — प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग श्री एस० ग्रार० गर्मा, वरिष्ठ क्यवसायिक सहायक (प्रकाशन) को स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय जल ग्रायोग में श्रितिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) की श्रेणी में 650-30-740-35-810-द० रो०-35 880-40-1000-द०रो०-40-1200 र० के वेतनमान में पूर्णतया ग्रस्थायी तथा तदर्थ ग्राधार पर 12-12-77 (पूर्वाह्म) से छः महीने की ग्रवधि के लिये ग्रथवा सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद की नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री एस० भार० शर्मा ने केन्द्रीय जल श्रायोग म भितिरिक्त सहायक (प्रकाशन) के पद का कार्यभार उपर्युक्त तारी ख भौर समय से ग्रह्णन किया।

> ज० के०साहा, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

## रेल मंत्रालय (रेल**वे बोर्ड**)

नई विल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० 77/ई० बी०/707- - सर्वसाधारण के सूचनाथ एतद् द्वारा ग्रधिसूचित किया जाता है कि बड़ी और मीटर लाइन बाले वर्तमान सिकन्दराबाद मंडल को 17 नवम्बर, 1977 से दो मंडलों में ग्रथीत् हैदराबाद (मीटर लाइन) मंडल श्रौर सिकन्दराबाद (बड़ी लाइन) मंडल में विभाजित कर दिया गया है। दोनों मंडल दक्षिण-मध्य रेलवे के नियंत्रण में रहेंगे। मंडलों की ग्रधिकार क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित हैं:-

मुख्यालय	ग्रधिकार क्षेत्र 2
	यह मंडल एक मण्डल ग्रधी-
	क्षक के भ्रधीन होगा भ्रौर मीटर लाइन प्रणाली अर्थात्
	द्रोणाचलम (छोड़कर) से मनमाड (छोड़कर),परभनी
	परली बैजनाथ, मुख् <mark>जेक</mark> ग्राह्मिताबाद ग्रौर जनकमपेट-

2

बोधन शाखा लाइनें इसके श्रिकार क्षेत्र में होंगी। जुडवां शहर के क्षेत्र में स्थिति सभी कल्याण संस्थाएं, स्कुल, कालेज भीर ग्रस्पताल मंडल ग्रधीक्षक (मीटर लाइन) के प्रधीन होंगे। इस मीटर लाइन प्रणाली से संबंधित सभी पक्ष मंडल भ्रधी-**अ**क कार्यालय हैदराबाद (मीटर लाइन) सरोजनी देवी रोड. सिकन्दराबोद-500025 के नाम मेजे जावं।

## 2. सिकन्दराबाद (बड़ी लाइन)

बाडी (छोड़कर्)-हैदराबाद-सिकंदराबाद - काजीपेट, काजीपेट - बल्हारशाह (छोड़क'र), काजीपेट -राया-नापाड (छोड़कर) द्रोणी-कल-कारेपल्ली - सिगारेणी-कारेपल्ली - भद्रा**चलम रोड** धौर निकारबाद बैजनाथ की बड़ी लाइन प्रणाली मंडल ग्रधीक्षक. सिकंदराबाद (बड़ी लाइन) के स्रधीन रहेगी। इस प्रणाली से संबंधित सभी पत्न मंडल ग्रधीक्षक कार्या-सिकंदराबाद (बड़ी लाइन) सरोजिनी रोड, सिकंदराबाद-500025 को भेजे जायें।

> बी० मोहन्ती सिचवे, रेलवे बोर्ड एवं पदेन संयुक्त सिचव

## उत्तर रेल**वे** प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 21— डा० के० राम० वैद स्थानापन्न सहायक मंडल चिकित्सा प्रधिकारी वैतनमान रू० 700-1600 (श्रेणी-1), दिनांक 30-11-77 प्रपराह्म से इस रेलवे से सेवा मुक्त हो गय़ हैं।

जो० एच० केसवानी महाप्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्यविभाग कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स दी इन्डेनटर्स सेन्डीकेट (प्राईवेट) लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर, 1977

सं० 4938/560(3) -- कम्पनी म्रधिनियम 1956 की धारा 590 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना बी जाती है कि इस तारीखासे तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स दी इन्डेनटर्स सेन्डीकेट (प्राईवेट) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकुल कारण विभिन्न न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मसर्स टेकनीसन्स इनफेक्टीव एडवरटाइभिंग एण्ड मारकेटिंग प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 15149/560 (3) -- कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मसर्स टेक्नी-शन्स इनफक्टरीज एडवरटाईसिंग एण्ड मारकेटिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी। ब्हि॰ वाय॰ राणे कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार

महाराष्ट्र

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भूवनेश्वर, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं० 62/77-78/ग्राईएसी (ए०/आर०) बी० बी० एस०

आर०--श्रतः मुझे श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी वार्ड नं० 10 है, जो भुवनेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता

ग्रिधिकारी के कार्यालय, भुवनेष्यर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से ग्रिधिक है धीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के घदीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धम या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के भन्नीन, निम्निसिक्त क्यक्तियों अर्थोत् :--

- ্য. श्रीमती श्राशालता मिश्र (2) निलक्ठ मिश्र (श्रन्तरक)
- 2. मैं नेजिंग डायरेक्टर, उड़ीसा फोरेस्ट कारपोरेशन लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा घंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्ष-नियम के भ्रष्टयाय 20 क में यथा परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

### अनुसूची

वोमंजला मकान, वार्ड नं०10, होलड़ी नं० 1790 भुवनेश्वर में स्थित है। वह संपत्ती भुवनेश्वर सब रजिस्ट्रार श्राफिस में 8-4-77 तारीख में रजिस्ट्रर हुआ; जिसके डाकुमेट नं० 2381 है।

> ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

विनांक 2-1-78 मोइर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I विल्ली-1

4/14क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1978

मिर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस ग्रार-III/37/मई
1(21)/77-78/4906----श्रतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठक है

स्रोर जिसकी संख्या जे-71 है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख 9-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (ग्रस्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिधितियम, प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत:, अब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भर्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- श्री रामदित्ता मल, सुपुत्र श्री साधु राम, निवासी 292,
   गोबिन्दपुरी, गली नं० 4, कालकाजी, नई दिख्ली (ग्रन्तरक)
- 2. डा॰ विरन्द्र कुमार नारंग, सुपुत्र श्री राम सरेन नारंग, निवासी 78, श्रमृतपुरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली। इनके जनरल श्रटारनी श्री राम सरन नारंग के द्वारा। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी स्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेने

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 71, ब्लाक नं० 'जे' जिसका क्षेत्रफल 347 वर्ग गज है, कालकाजी, नई विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: रोड़

पश्चिम : सर्विस लेन उत्तर : प्लाट-नं० 70

दक्षिण: प्लाट नं० 72

जे० एस० गिल, सक्षम घ्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नर्ष दिल्ली।

तारीच : 4-1-1978

मोहरः

प्रकृप माई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-111, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० 400/म्रर्जन रेज-III/77-78/कल—--म्रतः मुझे किशोर सेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति शाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रौर जिसकी प्लाट सं० "बि", 5वां मंजिल है तथा जो सं० 2, मंडेभीले गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-4-1977

को पूर्थोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ के घनुसरण में, में उन्त अधिनियम, की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्

- 1. मैसर्स बोनरसोप प्लाट स्कीम प्रा० लि०, 9 हरिगटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (ग्रस्तरक)
  - 2. प्रनब कुमार दे, 132 नगेन्दननाथ रोड, कलकत्ता-28 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति दारा;
- (श्रा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस शक्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

2, मंडेभीले गार्डेन्स पर स्थित "जयजयन्ती" नामके मकान का 5वां मंजिल का प्लाट सं० "बि" जो के रिजस्ट्रार ग्राफ श्रिसियो-रेन्सेस, कलकत्ता के सामने देलील सं० 1-1801, (1977 का) द्वारा श्रन्तरित हुन्ना हैं।

> किशोर सेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-III, 54, रकी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 3-1-1978:

## प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 20 दिस≭बर, 1977

निदेश सं० 913-A/श्रर्जन/(कानपुर)/7778/7117: श्रत: मुझे ग्रार० पी० भार्गव श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त श्रुधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का

इसके पश्चात् 'उन्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ......है तथा जो.......में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय गानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 18-4-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरन की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तांवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269ग के भनु-सरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269 म की उपग्रारा (1) के मग्रीन निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- श्री वीपक गर्ग 113/208 स्वरूप नगर, कानपुर (मन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला मल्होद्वा एवं काली चरन मेहरोत्ना 7/77 तिलक नगर, कानपुर (श्रन्तरिती)
- 3. श्री राजेन्द्र कुमार, पी० जी० थोमस, पी० सी० कोनान गायत्नी त्रिपाठी कमल भान ये० एन० सांस्थाल एवं एस० के० सिंह (सभी किराएवार)। (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धयाय में दिया गया है।

### अनु सूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 117/42 सर्वोदय नगर कानपुर 1,00,000/- के विकय मूल्य में बेची गयी।

> ग्रार०पी०भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 20-12-1977 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर **शायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी, 1977

निर्देश सं० भ्र० ई० 1/2015-1/मई-77—स्वतः मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज्

ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रिष्ठिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 5/66 का मालबार भीर कंबा हिल डिवीजन है तथा जो भ्रत्यामाउंट रोड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई, मे रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 19) के भ्रधीन, तारीख 6-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान भ्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्लित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान भ्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान भ्रतिफल का पन्द्रह भ्रतिशत से भ्रिधक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के प्रधीन, नम्नलिखित व्यक्तियों प्रपीतः—— 1. श्री मंकर भाई ग्रार० पटेल

\_\_\_\_ ः= (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री बहलचंद ए० जैन, (2) एस० बी० जन, (3) बी० ए० जैन, (4) के० बी० जन, (5) ग्रार० ए० जैन (ग्रन्तरिती)
  - 3. किराएदार (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

स्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2339/71/बम्बई उप रजिस्ट्रार स्रिधकारी द्वारा दिनांक 6-5-1977 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नाडीज, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख: जनवरी, 1978

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) व अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1978

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मी० एस० नं० 1/39 का लोग्नर पारेल डिबीजन है तथा जो जेकोब सर्कल में स्थित हैं(और इससे उपाबड अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7-5-1977

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

1. स्टार पन्स्ट्रक्शन कारपौरेशन

(ग्रन्तरक)

- 2. दि भानगार्ड स्रपार्टमेट को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (श्रन्तरिती)
  - 3, सोसायटी के सदस्य

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रियं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं ० 1055/72/बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 7-5-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फनिडीज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बस्बई

तारीख: 6-1-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर ग्रधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोप।ल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं ० श्राई० ए० शी० एक्सी०/भोपाल/77-78/911---श्रतः रुक्ते, रा० कु० बाली,

श्रायकर श्रिधिनियग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो मालखेड़ी ग्राम में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध श्रनुपूर्वों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकृती श्रिद्धां ग्रिट्धां से कार्यों प्रतिपत्ती के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित को गई हे श्रीर मन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वां कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीय क्षेत्र श्रीय श्रम्य का प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीय क्षेत्र श्रीय श्रम्य के लिए तप ग्रामा ग्रीटिंधा है श्रीर श्रम्वरिंधा ग्रीटेंधा अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया ग्रामा है :---

- (क) ग्रन्तरण स हुई किसी श्राय की काउत, उक्त ग्रिक्षियम के अधीन यर देने के ग्रन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर श्राधिनियम, 1937 (1957 का 27) के अयोजनार्थ श्रन्तिरेली हा । प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िमाने में द्विया के जिए।

अतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में मैं, क्त श्रधिनियम को धारा 269-घ की उपवारा (1) के श्रधीन निम्मितिक व्यक्तियों श्रयानः—-3---426 G1/77 1. श्री ऋषभ कुमार जैन पुत्र श्री कन छेदी लाल जैन निवासी सागर। (श्रान्तरक)

2. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नि डा॰ श्याम विहारी तिवारी निवासी बीना इटावा, बीना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रषं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 31 क्षेत्रफल 7.662 हेक्टेयर स्थित ग्राम मालखेड़ी (पतवारी हल्का नं० 31), तह० खुरई, जिला-सागर।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपास

तारीख: 2-1-78।

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्जी०/भोपाल/77-78/912----ग्रतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रिधिक है,

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो मालखेडीग्राम में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय खुरई में रजिस्ट्रीइत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-5-77 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

भूताक्त सम्भात के उपयत बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में भास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया
है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, खिशाने में सुविधा के लिए;

धा: प्रव, उत्त प्रधिनियम की प्रारा 269 ग के प्रनुसरण में, में, उस्त अधिनियन को धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, प्रधीत :---

- श्री ऋषभ कुमार जैन पुत्र श्री कनछेवी लाल जैन निवासी, सागर। (श्रन्तरक)
- 2. (i) श्री चक्रपानी (ii) श्री राम मूर्ति, (iii) श्री कृष्णमूर्ति सभी पुत्र श्री डा० क्याम बिहारी तिवारी निवासी बीना इटावा, बीना । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीत के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य भ्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भध्याम में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 31 न० 34 क्षेत्रफल 7.663 हेक्टेयर स्थित ग्राम मालखेड़ी (पतवारी हरूका नं० 31), तह० खुरई जिला-सागर।

> रा० कु० बाली, **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर ग्रा**युक्त (निरोक्षण),** ग्रर्जन रेंज-1, भोपाल

तारीख : 2-1-1978

प्रस्प ग्राई० टी० एत० एम०----

मायकर भ्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० एकसी०/भीताल/77-78/913---श्रतः, मुझे, रा०कृ० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रोर जिल्लको सं० म तान है, जो मुखवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्र कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मुख्याड़ा में रिजर्ट्री छत अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 9-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा क लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पधिनियम, या धन-रा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः, प्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तनिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) हुल्ला संफुद्दीन पुत्र श्री रृल्ला ताहिर श्रली (2) श्री फिट हुसैन (3) श्री फक्ल्ब्द्दीन (4) श्री जुब्बर हुसैन (5) श्री तादुक हुसैन पुत श्री हाजी युसुफ श्रली सभी निवासी भीम गज मंडी, कोटा। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री जयराम दास पुत्र श्री जादव शास (2) श्रो अगो ह कुमार पुत्र श्रो जोबामल (3) श्री हरीश कुमार (4) श्रो श्रिनिल कुमार पुत्र श्रो जोबामल सभी निवासी राषर्ट लाइन कटनी कैम्प, तह० मुडवाड़ा। (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया मुख्य करता है।

उक्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (ा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जा सकेंगे।

हाध्टीकरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों क, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है वही सर्थ होगा जो उस शब्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान न॰ 159 व 169 स्थित स्टेशन रोड, सुभाष वडि, मुख्याड़ा जिला जबलपुर।

> रा० कु० वाली सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मोपाल

तारीख: 2-1-1978

मोहर

प्ररूप शाई० टी० त्यवत्यक-----------

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक द्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्की/भोपाल/ 77-78/914
--- ग्रतः, मुझे रा०कु० वाली
ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें,
पश्चान 'उक्त ग्रीधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधीन
सक्षम ग्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रीधिक है
ग्रीर जिसकी सं० मकान है, जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध ग्रानुत्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री त्री
ग्रीधिकारी के कार्यालयः, भोपाल में रिजर्हो हुतः ग्रीधिन्दम, 1908
(1908 का 16) के ग्रीधीन 16-5-77
को पूर्वीकत संपत्ति के उचित ग्राजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को प्रबंधित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वान्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कर्मा वरने या उरसे प्रवे में पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधितयम, या धन कर ग्रिधितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्त न्ती तरा अकटन् कि ता गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में नुविधा के लिए

प्रतः यम, उन्त प्रधिनियम की जारा 269 म के प्रनुपरण वें में. उक्त अधिनियम को धारा 260 घ की राजारा(1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों प्रथित :---

- (1) चं के एक क्यमंत्र
- (2) बोनती त्राजु के० ख्रतन जी परित श्री के० एफ० रूस्तम जी।
- (3) श्रीमती के० जे० वाहवेरा पुत्त श्री के० एफ० रस्तम जी।
- (4), मास्तर ताइरस रुस्तम जी पुत श्री के० एफ० रुस्तम जी। सभी तिवासी बी०-2/2 सफटरगंडा इतक्लेब, नई-दिल्ली (श्रन्तरक)।
- 2. (1) कुनारी सुमनगाला वोटल पुती श्री के० एन० बोटल
- (2) श्रीमती श्रश्लीमा शि होतुरी पत्नी श्री शहण शिमोपुरी दोनों निवासी ई० 1/182 श्ररेरा कालीनी, भोपाल (श्रन्तरिती) को यह सूचन जारी कर के एर्टाइन सपिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्पन के संपंत्र में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस प्चना के राजपत्र भे प्रकाणत की तारोख से 45 दिन के ग्रवर्श ए तत्सवर्ध क्यान्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों - से किसी व्यक्ति तरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र इ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभागित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में निया गया है।

## अमृसुची

एक मकान जि । भें पांच कशरे भूतल पर तथा दो कमरे प्रथम तक कर, स्थित जाका का

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-1-78

त्य आहे । १० एनर एस ०----

आयक्र विधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269य(1) के श्रधीन सूचना भारत परकार

कार्यालय, महायक आपकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोगाज, विगांत 2 जानरी 1978

पिर्टीम सं० प्रार्वि० ए० मी ० एकती भीताच 77-78/915---श्रातः, सक्षे पा० क० वारी

धायकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त ध्रिधिनयम' वहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन मध्यम प्रधिकारी की हि विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर निकासं महान है, जो उन्जीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शासुनों ने संत पूर्ण एप के बिंगत है), रितस्ट्रीय सी श्रीधाहारों के जानी ता, उन्जीत में किस्ट्रीय श्रीधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन 27-5-77

को स्वाक्त सम्पत्ति के उजित बागार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिकित की गई है प्रांत्र मधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में त्रास्तविक हुए संक्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की भ्रावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बबने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ध्रम्य ग्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय पायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1932 का ११) अर अगत प्रधिनियम पा ध्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, किपने में सुविधा के लिये।

ग्रतः प्रत्र, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रतूमरण में, मैं, उक्त श्रमिनियम की भरा 259-व की उपवारा (1 के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- थो गुलाबबन्द्र पुत्र श्री वापूलाल महाजन निवासी
 152, दग्रहरागैवान , माध्रव नगर, उज्जैन ।

(ग्रन्तरक)

 श्री साबिर हुसैन पुल श्री हाजी प्रक्कुल श्रलीभाई ठेकेवार, निवासी छत्री चौत उज्जैन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता नारी करके रूत्रोंका सम्पत्ति के **प्रजै**त के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा या।
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख मे
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

दोमंजिला मकान ब्लाक नं० 69 स्थित इन्दौर गेंट के पास, उज्जैन!

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 2-1-1978।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एन०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजीत रेंज, भोगाल
भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्ष्त्री०/भोपाल/77-78/246---श्रतः मेझे रा० कु० बाली०

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

श्रीर जिमकी सं० भूमि व महान है, जो पिपरिया में स्थित है (श्रीर उनसे उगबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती श्रीधकारी के कार्यालय, पिपरिया में रजिस्ट्रीकृत श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 24-5-77।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्त्र से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या श्रन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए ;

म्रतः भव, उक्त मिधिनयम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भाषीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-  श्री वलभ पुत्र श्री मोतीलाल सोदानी निवासी पिपरिया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री व्रजमोहन भ्रभवाल पुत्र श्री मोतीलाल भ्रमवाल निवाधी सरदार पटैल वार्ड, पिपरिया ।

(म्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्पति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिमियम के मध्याय 20-क में यथायरिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुसूची**

श्राधा भाग प्लाट ऐरिया 4080 वर्गफुट श्राधा भाग मकान नं 346 खसरा नं 4/1 खाली प्लाट साथ में कम्पाउन्ड की वीवार स्थित नहरू वार्ड, पिपरिया।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 2-1-78।

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्वेण सं० श्राई० ए० सो० एनवी०/भोगाल 77-78/917— श्रतः, मुझे रा० कु० बाली, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है - कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से श्रधिक है

श्रीर जिल्लको सं० भूमि व महान है, जो पि परिया, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसुनो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत ग्रिधकारों के कार्यालय, पिपरिया में रजिस्ट्री इस श्रिधनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रवीन 24-5-77 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकत, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त थ्राधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने के लिये सुविधा भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाग या किसी बन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों, भारतीय धायकर ब्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

म्रतः स्वयं, उक्त धीधनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविधितयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि खित व्यक्तियों, प्रयोत्:—

- श्रो चल्लभ पुत्र श्रो मोतीलाल सोठानी निवासी पिपरिया। (श्रन्तरक)
- 1. श्री भ्रवनीश पुत्र श्री भ्रजमोहन भ्रग्रवाल निवासी सरदार पटेल वार्ड, पिपरिया (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्टाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

श्राधा भाग मकान न० 396 खसरा न० 4/1, आधा भाग प्लाट एरिया 1080 वर्ग फुट एक श्राफिस रूम व कम्माउन्छ वाल स्थित नेहरू वार्ड, पिपरिया।

> रा० कु० वाली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः: 2-1-1978

मोहरः

प्रकप भाई । टी । एन । एस । ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 69-व (1) के बधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भीराल/77-78/918---श्रतः, मुझे रा० कु० बाली,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियमं कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीत पक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि वगौडाउन है, जो बालाघाट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुभूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीध हारी के कार्यालय बालाघाट में रिजस्ट्रीकृत श्रीधितिनम 1908 (1908 हा 16) के श्रीधोन 4-5-77। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐमी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या तत-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिगान में मुक्तिया क जिए;

अतः प्रव उक्त अधित्यिन की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधितिया को घारा 269-घ की उपवारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:— 1. (1) आ हरीतगाद (2) श्रो दामोदर द्वार व (3) श्री राम नारायण पुन श्रो धनश्यामदार श्रासटी सभी निवासी बालाघाट । (श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री शोमायम पुत थो बलोराम बन्द्रत्वर
- (2) श्रो ढल तराम पुत्र श्रो सूरन साव साकरे दोनों निवासी वार्ड नं 11, बालाधाट । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवित्व या तत्मम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख में 45 दिन कभीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ ब्यास्त जारा, श्रधाहस्ताजरी क पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुवत शब्दां और पदों का, जा उक्त अक्षितियम, रा ५०मान 20-क में परिभानित है, वहीं अर्थं होगा, जा उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसुची

परिवर्धित मूमि स्थित वार्ड नं० 10, पी० ऐ० नं० 13/2, खसरा नं० 337/3, 337/1 साथ में गौडउन व पक्का कुम्रां स्थित बालाघाट ।

> रा० कुं० बाली सक्षम नाधिकारी, महानक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज भोपाल

तारीख : 2<del>-</del>1-78 ।

मोहरः

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

त्रेंगलुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सी० म्नार०एम० 62/9340/77-78/ए**क्य्**/बी --पन<sup>-</sup>, मुझे जे०एप०राव,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० 4 है तथा जो बसप्पा कास रोड, शांतीनगर, बेंगलूर-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-4-77

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाष की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा म लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या अन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये युविधा के निए;

त्रन. प्रज, उद्दन पश्चिनियम, हा झारा 269-ग के अनुसरण में, में, उद्दन प्रश्चिनियम को झारा 269-**घ की** उद्यासरा(1) के प्रशीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रणीत:—— 4—426G1/77

- 1. श्री एम० ग्रार० सिद्दं लिंगराजेश्वरस (एम० ग्रार० महेंग) पुत्र श्री एम० एल० राजेश्वरस "साचप्याजी कृपा" लक्ष्मीपुरम, मैसूर-4 (श्रन्तरक)
- 2 श्री बी०सी० बैरप्पा पुत श्री स्व० बी० बैरप्पा क्लाण मरचंट, चिकपेट, बेंगलूर सिटी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कीई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे;

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

(दस्ताबेज सं० 98/7278 ता० 14-4-77) भारा संपत्ती का जो० मं० 4, बमणा क्रामरोड, शांति नगर. बेंगलूर। बांध

पू स्व० बी० बैरप्पा प. प्यासेज उ: 30 रोड, बसप्पा कास द: रु० 7, सरवे नं० 30/2

जे० एस० राव स**सम प्राधिकारी,** सहायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> प्रर्जन रेंज, बेंगलर

नारीख: 26-12-77 मोहर प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक, दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/25/7 -78—श्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक श्रायकर श्रायक्त

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∫- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 64, सैक्टर 2-ए, है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत्ती श्रधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीत/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आ जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत:, भ्रब, उन्त भिधिनियम, की धारा 269म के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

- 1. (1) श्रीमती प्रेम प्रकाश कौर
- (2) श्री गुलराज सिंह ग्रेवाल 7. गुरदेव नगर, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगजीत सिंह गिल कोठी नं० 30, सैंक्टर नं० 2-ए नंडीगढ़, (धन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबग्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम, के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसुची

रिहायशी मकान (जिसमें गैरेज तथा नौकर का कमरा भी है) नं ० ६४, सैक्टर 2-ए चंडीगढ़ ध्रौर जोकि फरीहोलड पसाट पर बना है श्रौर जिसका रकवा 2000 वर्गगज है।

(सम्पति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता कार्यालय चंडीगढ़ के कार्यालय में क्रमांक 186, मास मई, 1977 में दर्ज है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 3-1-1978।

प्ररूप साई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/46/77-78—श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु॰ में ग्रधिक है

और जिसकी संग्मकान नंग् 2245, सैक्टर 21-सी, है तथा जो नंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) झन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: ग्रम, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धमुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित श्यिक्तियो. धर्षास्:——

- श्री भान सिंह पुत्रश्री इन्द्र सिंह मकान नं० 2245, सैंक्टर 21-सी, चंडीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्या वत्ती, पत्नी स्वर्गीय डा॰ गुरशरन दास मकान नं॰ 2245, सँकटर 21-सी, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कायबाद्वियां करना है।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण:—-इसमे ध्रयुक्त शब्दो झौर पक्षों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

दो मंजिला रिहायशी मकान नं० 2245, सैक्टर 21-सी, चंडीगढ़ में स्थित तथा जिसका रकवा 565 5 वर्गगज है। (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्री कमांक 483, मारा जुलाई, 1977 पर श्रंकित है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-12-77

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भाषकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 जनवरी 1977

स० म्रार० ए० सी० न० 173/7 -78---यत., मुझे, के० एस० वेफेट रामन,

**मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** 

(जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं 0 18/442 है, जो प्रोदटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, प्रोदटूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (प्रन्तरको) भौर (मन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसो माय की बाबत, उक्त मिधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, प्रयौत्:--

- श्रीमती बनडार वेनकटसुबम्मा पती सुबरामनय्यम श्रोदट्र कडपा (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमन्नती सुत्रामनय्यम पिता ओबाय्या डो०बी० एस प्याकग्र शोबदूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की सारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो झीर पदो का, जो जक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर न० 18/442 मेनबजार प्रोदटूर कडपा-जिला दस्तावेज न० 1508/77 रजिस्ट्री की गई है रजिस्ट्री कार्यालय प्रोदटूर में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक . 2 जनवरी 1978 मोहर . प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269 व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० भार० ए० सी० 174/77-78-- यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 50 श्राबाद शबग सेक्टर है, जो 5-8-512 घीरागलो लेन हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण का से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन में 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिक्षक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्राधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या बन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित:---

- (1) श्री एम पदमाराय पिता पानडुरनणचारी घर नं० 22-4-499 कोटला ग्रालीजा एतवार चौक, हैदराबाद (ग्रन्तरक
- (2) श्री कनटेनटी सत्यानारायन राजू पिता बुजनणा राजु घर नं० 8-2-438/1 बनजारा होटस हैंदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

उस जगाक मलणी ने 50 बीस्तन 220 वर्ग फीट पुरे फरनीचर वर्गरा के सात जमीन की सता पर है उस को "श्राबीद शापीनगा सेनटर" कहा जाता है वे 5-8-512 ता० 5-8-5 17/A धीरागली लेन हैदाबाद में रजीस्ट्री की गई है दस्तावेज मं० 1211/77 रजीस्ट्रीर श्राफोस कार्यालय हैदाबाद में।

के॰ एस॰ वेंकट रामन सक्षम ग्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 5-1-1978 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एम० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 72/बी० टी०/77-78—म्ब्रतः मुझे, पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सपांवाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्सा श्रिधिकारों के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिंधिनयम, के भंधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री किशोर चन्द पुत्र श्री खेम चन्द गली नं० 7, श्रवोह्द तहसील फाजिल्का। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बयान सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह पुत्र चोखा सिंह, वासी सपांवाली तहसील फाजिल्का। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में एचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)।

को यत्र सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की ग्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

123 कनाल 16 मरले जमीन गांव सपां वाली में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 354 मई 1977 सब-रजिस्ट्रार श्रवीहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 5-1-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भंटिडा

भटिंडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए०पी० 73/भटिडा/77-78—स्वतः, मुझे,पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीयक है भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (ग्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अग्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अम्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री संता सिंह पुत्र श्री मुरक सिंह वासी सुखेरा बसती प्रबोहर । (ग्रन्तरक)
- श्री राकेश कुमार पुत्त श्री ज्ञान सिंह मार्फत ज्ञान चन्द लछमन दास सरकुलर रोड अबोहर । (अन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग म सम्पत्ति है)
  - को व्यक्ति सम्पति में घिच रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नानक सरफाजिल्का रोड अबोहर पर 20150 वर्ग फुट का एक पलाट जैसा कि रजिस्ट्री नं० 236 मई 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भटिंडा

ता**रीख: 5-1-78** 

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रि<mark>धीन सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनाक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी०/74/बी०टी०आई०/77-78—-यतः, मुक्षे, पी० एन० मलिक,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से धिषक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिष्टिनयम, के घिष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या श्रन्थ भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भृविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त मिधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के प्रधीत, निक्तिस्थित व्यक्तियों, प्रणीत्:—

- श्री संता सिंह पुत्र श्री मुरक सिंह वासी सुखेरा बसती श्रबोहर। (ग्रन्रतक)
- 2. श्री राकेश कुमार पुत्र श्री ज्ञान चन्द मार्फत ज्ञान चन्द लखमन दास सरकुलर रोड, श्रबोहर। (प्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति मे रुचि रखता है ।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोगत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पकों का, ओ उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क म परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गरा है।

### अनुसूचो

नानक सर फाजिल्का रोड ग्रबोहर पर 21692 वर्ग फुट का एक पलाट जैसा कि रजिस्ट्री नं० 214, श्रप्रैल, 1977 सब-रजिस्ट्रार श्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, पटिंडा

तारीख: 5-1 78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 75/बी० टी० **माई**/77-78---यतः मुझे, पी० एन० भलिक,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उवत श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राजिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार गत्य 25,000/- रुपये से धाधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ग) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या प्रन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घंघिनियम, या धन-कर घंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ं किया जाना चाहिए था, छिपाने म

भन: श्रव, उनत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री ग्रजैंब सिंह पृक्ष श्री वजीर सिंह कलेर हस्पताल रोड कोट कपरा 5--426GI/77

- 2. श्रीमती दर्शना देवी पत्नी श्रोम प्रकाश दाना मंडी कोट कपूरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो भ्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लाहस्ताकारों के पास लिखित में किए आ सकेंगे

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभा-वित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

250 गज सम्पत्ति में 1/6 हिस्सा जो कोट कपूरा में है जैसा कि रिजस्ट्री नं॰ 92 क्षत्रील 1977 सब रिजस्ट्रार फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भटिंबा

तारीख: 5-1-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 76/बी० टी० आई०/77-78——यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिधिनियम', या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत्:---

- श्री साधु सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह कलेर (ह्स्पताल रोड कोट कपरा (भ्रन्तरक)
- 2. श्रो कमल जींदल पुत्र श्री श्रीम प्रकाश दाना मंडी कोट कपूरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में दितवद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ॥ क्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

200 गज सम्पत्ति जो कोट कपूरा में स्थित है, में 1/6 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्री नं॰ 91 अप्रैल 1977 सब रजिस्ट्रार फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भटिन्डा

तारीखा : 5-1-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 77/बी०टी०आई/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत 'उक्त ग्रिशिनयम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधित्यम, मा धन-कर भ्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269 क की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यातु:---

- 1. श्री ब्रात्मा सिंह पुत्र श्री वजीर सिंह कलेर ह्स्पताल रोड कोट कपूरा (ब्रन्तरक)
  - 2. श्री श्रोम प्रकाण पुत्र श्री देस राज दाना मंडी कोट कपूरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति मे रुची रखता है। (वह व्यक्ति, उनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कायवाह्निया करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

250 गज सम्पत्ति मे 1/6 हिस्सा जो कोट कपूरा में है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 90 भ्रप्रैल 1977 सब रजिस्ट्रार फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 5-1-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 विसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी०-1740—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० मे ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची म है तथा प्लाट नं० 170 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977

को विंकत मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत से प्रधिक है, धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधितियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के श्रतुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. मैं० रैंडले सपोर्टस द्वारा विषन महाजन पुत्र श्री गिरधारी लाल गुप्ता ग्रोर जी०ए० श्रीमित सुर्दशना कुमारी पत्नी श्री कस्तूरी लाल महाजन ग्रोर श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री तिलक राज महाजन, निवासी सूरज कुंड रोड, मेरठ वा मिल गुप्ता पुत्र श्री गिरधारी लाल गुप्ता वा गिरधारी लाल गुप्ता 130 ग्रादेंग नगर जालन्धर मालक व पार्टनर रैंडले सपेर्टस, वस्ती नौ, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री ग्रवनाश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री दौलत राम ईएफ 506, क्रष्ण नगर, जालन्छर
- (2) श्रीमिति शुष्मा भल्ला पितन श्री वलदेव भल्ना, 52-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवछ है)।

को यह सूनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के धर्जन के निग्कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीर---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन का नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त रोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन भी तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य अपित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो हा, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

## भ्र<u>त</u>ुसची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 1046 मई-77 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख 28-12-77 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल० सी० 151/77-78—यतः मुझे, सी० पी० ए० वास्देवन

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूनी के अनुसार है, जो ईस्ट चालकुड़ी में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालकुड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सब उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीम निम्मालिखित व्यक्तियों, ग्रामीतः—

- 1. श्री ए० षण्मुकासुन्वरम मैसर्स खन्नांमलाई बस ट्रांसपोटें हेतु) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री इट्टीरा (मैंसर्स कामीचाई मूवी इन्टरप्राइसेज हेतु) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में यथायरिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया :

## अनुसूची

64 — Cents of land with buildings in Sy. No. 201/2, 4
of East Chalakudy Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 15-12-77

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनाक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० एल० सी० 152/11-18---थतः मुझे सी० पी० ए० बासुदेवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है, जो ईस्ट चालकुडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चालकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 23-4-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधितियम, या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यस्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की प्रारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों सर्वात्:—

- 1. श्री षण्मृ तसुन्दरम (For M/s Anamalai Bus Transport Co. Pvt. Ltd.) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री इट्टीरा (For M/s Kanichai Movie Enterprises) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूची**

 $39\frac{195}{1000}$  Cents of land with buildings in Sy. No. 203/2 of East Chalakudy Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखः : 15-12-1977

## प्रइप ग्राई० टी० एन० एस०----

प्रावकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269<sup>ध</sup>

(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल० सी० 153/77-78—यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन ध्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो तिरूर तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-4-1977 को

पूर्वोक्न संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत ग्रधिक है भौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बजने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के प्रनृतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 व की उपघारा (1) के अधीन, निम्म लिखित व्यक्तिमों, मर्थातु:---

## 1. श्री रवीन्द्रन

(ग्रम्तरक)

- 2. (1) कुन्ई मृहम्मद हाजी,
  - (2) सैयद ग्रलवी
  - (3) परीकुट्टी
  - (4) भ्रब्बेकर कुट्टी

(ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां **शु**रू करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्प्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### अनुसू ची

9½ Cents of land with buildings in R. S. No. 190-6 of Trikandiyoor Amsom desom in Malapuram District.

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 15-12-1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, एरणांकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निवेश सं० एल० सी० 154/77-78--- यत: मुझे, सी० पी० ए० वास्रदेवन ध्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० भ्रतुसूची के अनुसार है, जो मुट्टत्तराविलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिरुवनन्त-पूरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए ध्रन्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपक्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचति:-- 1. श्रीमती सत्यभाम अम्मा

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ एम॰ ए॰ ग्रब्दुल जब्बार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूच ना तारी करके पूर्वोक्त सपित्त के **प्रजैन के** लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रयाधन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में शकाणन की तारीखरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

13 Cents 918 sq. links of land with a building T. C. 40/13(2) in Muttathara village in Trivandrum District

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, महायक स्नापकर सम्युक्त (निरोक्षण), स्रर्जन रेंज, एरणांकुलम

दिनांक: 15-12-1977

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल० सी० 155/77-78---यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वटक्कानचेरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 15-4-1977 को

पूर्वो≉न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाभ प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या भ्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, मैं, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यातः—
6—426 GI/77

- 1. (1) चन्द्रन
  - (2) राजन
  - (3) कृष्णन

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) बेबी
  - (2) एलसी
  - (3) मेरी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रर्जे**न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्वों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

Estate as per schedule attached to document No. 1306/77 dated 15-4-1977.

सी० पी० ए० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकृतम

तारीख: 15-12-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ---

ा. बा० पी० मोहनन

(अन्तरक)

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक स्रायक्षर स्रायुक्त (नि**रीक्षण**)

स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनाक 15 दिसम्बर 1977

निवेश सं० एल० सी० 156/77-78---यतः मुझ्ने सी० पी० ए० बासुदेवन

श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी ससं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो बटक्कानचेरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्चर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पव, उस्त धिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम भिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- 2. (1) **बेबी** 

(2) एलसी

(3) मेरी

(अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए का**र्यवाहि**यां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

Estate as per schedute attached to document No.; 1395/77 dated 22-4-1977

सी० पी० ए० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, एरणाकुलम

तारी**ष**: 15-12-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्ना**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल० सी० 157/77-78---यतः मुझे सी० पी० ए० वास्रदेवन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खबत ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है भौर जिसकी सं० धनुसूची के अनुसार है, जो टरबार हाल रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकूलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-4-1977 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही क्रिया गया है:∽--

- (क) श्रन्तरंग से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- 1. श्रीमती पारवती ग्रम्माल

(भन्तरकः)

2. श्री पी० के० वरक्की

(मन्तरिती)

- 3 (1) श्री के० ग्रार० षेणाई
  - (2) श्री कें सी जोसफ
  - (3) श्री ई० टी० एम० वैद्धशाला (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त समात्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिमाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

14½ Cents of land with buildings in Sy. No. 701/2 and 1442/1 of Ernakulam Village-vide schedule to Document No. 961/77 dated 18-4-1977.

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक **भायकर भायुक्त (निरीक्षण)**, अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 16-12-77

रुपये से श्रिधिक है

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर भ्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एत० सी० 158/77-78---यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो चालकुटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चालकुटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-4-1977 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से प्रधिक है भौर अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, भीं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री भन्नमकुट्टी

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री म्नान्टो
  - (2) श्रीमती वलसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभागित है, बही भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में वियागया है।

## अनुसूची

37 39 Cents of land with buildings in Sy. No. 441/8 in East Chalakudy Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाक्षम

तारीख: 16-12-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल० सी० 160/77-78—यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- **४०** से स्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिच्चूर म्युनि-सिपालिटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्चूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए। था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिष्ठिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रदांत :-- 1. श्रीमती माधवी अम्मा

(श्रम्तरक)

2. के जी असुरन्द्रानाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के भ्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त भ्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

71 Cents of land with buildings in Sy. No. 1950 in Trichur Municipality.

सी० पी० ए० बासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 16-12-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० 528—यतः मुझे एन० के० नागराजन, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है ग्रीर

जिसकी संख्या नं ० 118 है, जो नगरमपालेम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ण अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, भव, उक्त मधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269य की उपधारा (1) के भवीन, निम्नलिखित व्यक्तियो भर्यात् :---

- (1) श्री शेक हुसेन,
- (2) शेक हसन,
- (3) दादावली,
- (4) सलाउद्दीन,
- (5) खरुन्नी,
- (6) जयबुन्नीसा,
- (7) फतीमाबी नगरपालम, गुन्टूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती 1. वरिपल्ली स्रक्षपूम्म, 2. मोदुकूरि वीरम्मा, गुन्टूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप हो, तो---

- (क) इस सूचना त राजगट न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पोक्षिक श्रंत 15-4-77 में पंजी-कृत दस्तावेज न० 1544/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 15-12-17

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 529—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 490 है, जो गुन्टुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-4-1977

(1908 का 16) के प्रधीन, 29-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री बैं० राममोहन राब,
  - (2) वै० नारायण राव,
  - (३) वै० सूर्यप्रकासराव,
  - (4) वै० सारदा,
  - ( 5 ) वै० उमादेवी,
  - (6) वै० निर्माला,
  - (7) बि॰ लक्ष्मी सरस्वती,
  - (8) चै० वेंकटेस्बर विवेकानन्दन,
  - (9) बि० इनदरा, गुन्टुर

(ग्रन्तरक)

(2) उडिपि लक्ष्मी देवी गुन्टूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिमाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-4-77 में दस्ता-वेज नं० 1834/74 में निगमित अनुसूची संपति ।

> एन० के० नागराजन सक्षमे प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 15 दिसम्बर 1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भिन्नीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० 530—यतः, मीने, एन० के० नागराजन, आयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रीधिक है

स्रौर जिसकी सं० 23-1-60 है, जो गुन्टूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्याजय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 21-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्रल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्टक है, भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम, के भधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब उक्त भिष्ठनियम की घारा 269ग के भनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अथितः—~

- (1) श्री वि० बाब्राव,
  - (2) वि० लक्ष्मी, गुन्दूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटेस्वर्लु, गुन्टूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुन्टूर रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-77 में पंजी-कृत दस्तावेज नं० 1633/66 में निगमित भ्रनुसूची।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

वारीख: 15-12-1977

प्रक्रप भाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 15 दिसम्बर, 1977

गं० 531—पतः मृझे एन० के० नागराजन, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

भीर जिसकी सं० 44-17-1 है, जो काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 22-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिधक है, धौर भन्तरिक (भन्तरिक) और भन्तरिकी (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत अक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए:

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-त्र को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत:--7--426 GIJ77

- ा. (1) श्री शत्तार जानी, काकीनाडा (भ्रन्तरक)
- 2 (1) श्री रेष्ट्री वेंकटा भाग्यलक्ष्मी,
  - (2) रेड्डी स्जाता,
  - (3) रेड्डी सूर्यनारायण ,
  - (4) रेड्डी भ्रोदि मृती, काकिनाडा

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बहु व्यक्ति जिस के श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है।

  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधीहम्ताक्षरी

  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप: --

- (क) इस पूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों,पर
  मूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही शर्यं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **ग्रन्**सूची

काकिनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-4-771 पंजीकृत दस्तावेज नं० 1484/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> ्एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-12-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, काकीनाडा

काकी नाडा दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० 532--यतः मुझे एन० के० नागराजन, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से प्रधिक है मुल्य श्रीर जिसकी सं० 226/2 है, जो पेरेरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, श्रमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-4-1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का नचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम, के भग्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, प्रव, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमीत्:— (1) श्री भ्रम्मय कृष्णा मूर्ती पेरूर्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंता उमामहेस्वरराव, पेरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

## ग्रन्भुची

श्रमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-4-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 1273/77 में निर्गामत श्रनुसूची संपत्ति ।

एत० के० नागराजन सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आ<mark>युक्त (नि**रीक्ष**ण)</mark>

तारीख: 15-12-77.

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आ**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 15 दिसम्बर 1977

स० 533—यतः मुझे एन० के० नागराजन, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- द० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 229/1&2. 226/3 है, जो पेरूरु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-4-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो भाग या किसो धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:— (1) श्री ग्रम् कृष्णमूर्ति, पेरेरू ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंता सुरेश कुमार, पेरूर,।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर तंपति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भाषीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

श्रमलापुरम रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रत 15-4-77 में पजीकृत दस्तावेज नं०1272/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 15-12-77

मोहर .

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

शायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के ग्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1977

सं० 534—यत. मुझे, एन० के० नागराजन, भायकर ग्रिश्चिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रिश्चिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ 197/283 है, जो पेनुगोंडा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, पेनुगोंडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, पेनुगोंडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-4-1977 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर शन्तरक (अन्तरकों) भीर शन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत प्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य थास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः ग्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती सन्नी मीनाकक्षम्मा, पेकेरू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० कृष्टणूवेणि, मारटेरू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जा**री** करके पूर्वोक्त संपत्ति के **मर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य अ्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्केंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अधै होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पेनुगोंडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अत 15-4-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 500/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षय श्रधिकारी, स**हाय**क आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारी**ख**: 15-12-77.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 15 दिसम्बर, 1977

स० 535—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रशिक है

श्रीर जिसकी सं० 79 तथा 81/2 है, जो प्रत्तल्लमेरका में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उन्डी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-4-77

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्निक्षित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री के० ग्रापलाराज्, श्रीरामापुरम (ग्रन्तरक)
- श्री जी० विष्वनाधराज, प्रत्तल्लमेरका (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध्, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

उन्डि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-4-77 में पंजीकृत दस्तावेज न्० 407/77 म निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 15-12-1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/।/एस० ग्रार०-III/
12/ग्रप्रैल-1 (15)/77-78----श्रतः, मुझे, जे० एस० गिल,
भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्य 25,000/- ६०
से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं सी०-153 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, म, उन्त अधिनियम की घारा 269च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:——

- श्री प्रकाश लाल वोहरा, सुपुत्र श्री निहाल चन्द वोहरा, निवासी 2313, नेताजी नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वरुणा जे० मंथाणी, पत्नी श्री जय कुमार तथा श्री जय कुमार, सुपुत श्री हांट चन्द, निवासी एच-35, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभा-षित हैं, वही भ्रषे होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 312.5 वर्ग गज है भ्रौर नं॰ 153, ब्लाक नं॰ 'सी' है, निवासी, कालोनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है ---

पूर्व: प्लाट नं० सी-151

पश्चिम : रोड उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : रोड ।

> जे० एम० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, दिल्ली,नई दिल्ली-1

तारीख: 7-1-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1978

निर्देश स० 1/ म० ग्राय०-111/27/श्रप्रैल-11 (28)/77-78---- प्रतः मुझे जे० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० डी-1/8 है तथा जो लाजपत नगर, नई विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर धन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उकत प्रधिनियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (छ) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उनत ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्निलिवत व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री हाकम सिंह, सुपुत्र श्री जामिश्रत सिंह, निवासी एयरकापट श्रोथरहाउल डिबीजन, इन्डियन एयर लाईन्स, पालम, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीमती कंवल जीत कौर, पत्नी डा० हरबंस सिंह, निवासी डी-1/8, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रजैन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि,
  जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक लीज-होल्ड जायदाद नं० डी-1/8, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, लाजपत नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्ध: मकान नं० डी-1/7 पश्चिम: मकान नं० डी-1/18

उत्तरः लेन। दक्षिणः रोड।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 7-1-1978

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th December, 1977

No. R-115/68-Ad. V.-On reaching the age of superannuation, Shri Ram Lal Sahm has relinquished charge of the Office of Superintendent, Central Bureau of Investigation Head Office, New Delhi on the forenoon of 1-12-1977.

He has now proceeded on 120 days L.P.R. with effect from 1-12-77 which was refused to him earlier.

#### The 2nd January 1978

No. P-30/65-Ad. V.-Consequent upon his appointment 10. P-30/03-Ad. v.—Consequent upon his appointment in the Shah Commission of Inquiry, the Services of Shri P. S. Mahadevan, Superintendent of Police, C.B.L., Jammu have been placed at the disposal of Shah Commission of Inquiry. He relinquished the charge of the Office of the Superintendent of Police, C.B.L., Jammu Branch with effect from the effective of 31 10.72. afternoon of 31-10-77.

No. A-19015/3/75-Ad. V.—Shri O. P. Maini, Section Officer, Central Burcau of Investigation, Head Office, relinquished charge of the Office of Section Officer, C.B.I. on the forenoon of 22-12-77.

His services were placed at the disposal of Shah Commission of Inquiry on his appointment as Under Secretary in the Commission, with effect from 22-12-77 (F.N.).

> V. P. PANDEY, Administrative Officer (A) C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 31st December 1977

No. O.II-1003/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Radha Mohan Nanda, JMO. (GDO; Gd. 11) Base Hospital I CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 7th November, 1977

No. O.H-1077/77-Fstt.—The President is pleased to appoint Dr. Elias Ali Khan Mahamanzai as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 17-12-1977 (AN) until further orders.

> A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE New Delhi-24, the 29th December 1977

No. E-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer from Jadugudda Shri G. S. Nurpuri assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from

the afternoon of 8th November 1977.

No. E-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer to Hyderabad Shri A. S. Shekhawat relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BIL Bhilai with effect from the afternoon of 3rd December, 1977.

No. E-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Bhilai Shri A. S. Shekhawat assumed the charge of the post of Vice Principal CISF Trg. College, Hyderabad with effect from the afternoon of 12th December 1977 Vice Shri J. Gomes who relinquished the charge of the said post with effect of the same date.

No. :E-38013(3)/17/77-Pers.—On transfer to Bhilai Shri S. P. Mulchandani relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 16th November, 1977.

L. S. BISHT Inspector General/CISF

## MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS: DEWAS (MP)

Dewas, the 30th December 1977

F. No. BNP/C/23/77 -- In continuation to the Notification number BNP/E/8/M-6, dated 27-9-1977, the ad hoc appointment of Shi M. L. Narayana as Deputy Control Officer, in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months with effect from the fore-noon of 7-12-77 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

> P. S. SHIVARAM General Manager

### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 30th December 1977

#### OFFICE ORDER

O.O. No. ADMN.1/158.-The A.G.C.W. & M. New Delhi has been pleased to promote Shri Bal Ram Section Officer (Audit & Accounts) as a Temporary Accounts Officer on provisional basis with effect from the forenoon of 23rd December 1977.

S. S. MANN

Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 28th December 1977

No. Admn./17-22/73.—The Chief Auditor, Northern Railway is pleased to appoint S/Sh. Ram Lal Maini and Harcharan Singh Bhatia, officiating Audit Officers in a substantive capacity in the Audit Officers grade w.c.f. 1-8-77 and 1-11-77 respectively.

Km. BHARTI PRASAD Dy. Chief Auditor/Admn.

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 29th December, 1977

No. 4609/A. Admn/130/77-The Director Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer, until further orders, in the offices and from the dates noted against each :-

Sr. No.	Name	Office in which appointed	Date
S/Shri			
1. N. Ven	kataraman	. Audit Officer, Defence Services, Kirkee	12-9-77
2. R. L. J	atav .	Sr. Dy. Chief Andit: (OF) Jab ilpur	or, 14-10-77
3. K. Rug	hunathan .	<ul> <li>Sc. Dy. Director of Audit, Defence Services, S.C. Poona.</li> </ul>	14-11-77

K. B. DAS BHOWMIK Sr. Dy. Director,

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 29th December 1977

No. 71019(9)/77-AN-II—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1976, the President is pleased to appoint the following individuals as probationers in the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them

Sl. No.	Name						Date of appointment
1. Shri G.	K. Menon			•	•		7-11-77 (FN)
2. Smt. Pr	iti Patnaik}	•	-		•		18-7-77 (FN)
3. Shri Su	has Banerjee	•	•	•	*		14-7-77 (AN)
4. Shri As	hok <b>K</b> umar Cl	opra		•	•		12-7-77 (FN)
5. Shri Ra	ijendra Prasad	Jain			•	٠	8-11-77 (FN)
6. Shri At	nit Cowshish				,		14-11-77 (AN)
7. Shri Pr	adeep K. Das						13-12-77 (FN)
8, Shri Ka	ınwal Manjit A	ngura	la			•	7-11-77 (FN)

V. S. BHIR

Additional Controller General of Defence Accounts

## OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS (OTHER RANKS)—SOUTH

Madras-600018, the 24th September 1977

No. AN/II/8316769.—Order of termination of service issued under the proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965.

In pursuance of the proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Srimathi, B. A. VASANTHA KUMARI, Temporary Auditor (A/c No. 8316769), and direct that she shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of her Pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which she was drawing them immediately before the termination of her service, or, as the case may be, for the period by which such notice falls short of the month.

### R. VENKATARAMAN

Controller of Defence Accounts (ORs) South

## MINISTRY OF DEFENCE

## DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 27th December 1977

No. 84/77/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (Prob) (on prob) with effect from the dates shown against them:—

Shri Brij Vallabh Sharma		10th Apl. 1973
Dr. N. V. Muralcedharan .		21st March, 1973
Dr. Pratul Nath Chakrabarti .		Ist March, 1973
Shri Milan Kumar Ghose .		29th March, 1973
Shri Ashoke Biswas		10th Apl., 1973
Shri Abhik Kumar Mukhopadhayay	/	29th March, 1973

Shu Krishnaiyer Viswanathan	29th March, 1973
Shri Ram Prakash Sharma	19th Feb., 1973
Shri Muni Lal	22nd March, 1973
Shri Benedict Mini .	20th Feb., 1973
Shri Balachandra Shiyaraya Shiroor	4th Apl., 1973
Dr. Vishwambhar Nath Singh	30th Oct., 1973
Dr. Deb Ranjan Misra	7th Feb., 1974
•	•
Shri Ramaswamy Krishnan	28th Sept., 1973
Shri Subramanian Ramamoorthy	12th Oct., 1973
Shri Basdeo Prakash Hajela	30th Nov., 1973
(since released).	
Shri Harjit Singh	6th July, 1974
Dr. Pranab Kumar Sanyal	10th June, 1974
Dr. Om Prakash Yadaya	7th May, 1974
Dr. Sanjay Kumar Ghosh .	Ist July, 1974
Dr. Swadesh Ranjan Chakraborty	29th Apl., 1975
Shri Subhash Chandra Maji	
Shri Binod Beh ri Pharas	10th March, 1975
Shri Bharat Chandra Mondal	21st Nov., 1974
Dr. Qazi Ghazanfar Ali .	11th Apl., 1975
Dr. Ram Sanchi	
Shri Arun Kumar Kaisy .	28th Apl., 1975
Dr. Dig Vijay Lal Rewal	3rd Apl., 1975
Dr. Ajoy Kumar Bose	10th Apl., 1975
Shri Dipak Kumar Sarkar	Ist Oct., 1975
•	•
No. 85/77/G.—The President is under-mentioned officers as Asstt, with effect from the dates shown aga	Manager (prob) (on prob)
Shri Gurcharan Singh Bhullar (since released)	3rd July, 1975
Shri K. M. Ravi Kumaran Nair .	22nd Jan., 1973.
	1 10-55
Shri Ajeet M. Naik	
Shri G. Veerabhadrappa Sivakumar	18th Dec., 19/2
Shri Malakishvatiathu Sreedhara Jayaprakash	7th Feb., 1973
Shri Ashok Kumar Grover	6th Feb., 1973
Shri Sharat Chandra Gupta	9th Feb., 1973
Shri Jayant Kumar Agrawal	25th May, 1973
	11th Jan., 1973
Shri Ramawatar Agrawal	24th Jan., 1973
	29th Dec., 1972
Shri Manindra Nath Putatunda	and the second
Shri Subhash Chander	
Shri Ajoy Shanker	Ist Feb., 1973
Shri S. Chandrasekhar .	21st March, 1973
Shri Ashok Kumar Aggarwal	30th Dec., 1972
Shri Jaytilak Biswas	7th Feb., 1974
Shri Krishnamohan Addy	7th Feb., 1974
(since expired)	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
Shi Anil Kumar Singh	7th March, 1974
Shri T.K. Vijayaragavan	19th March, 1974
Shirit. Vijayaragavan	7th Feb., 1974
Shri Anant Shankar Pundle	
Shri Abhiman Prasad Tripathi	7th Feb., 1974
Shri Subhash Chandra Talukdar .	
Shri Vijay Kumar Jain	4th June, 1974
Shri Abhay Nandan Prasad	6th May, 1974
Shri Ravinder Mohan Gupta	7th Feb., 1974
Shri Hemant Shanker Pundle	7th Feb., 1974
Shri Manglesh Kumar Surana	27th June, 1974
Shri Ashok Kumar	7th March, 1974
Shri Hardip Singh (since released)	Ist Aug., 1974
Shri P. Prakasha Rao	7th Feb., 1974
Shri Pratap Chand Arora	25th March, 1974
Shri Deshraj Nagpal	7th Feb., 1974
Shri K, Chandra Mohan Rao	7th Feb., 1974
Shri Sukumar Kolay	00 7 1- 1074
With mediation and and	7th Ech., 1974

Shri Umakant Kulshrestha . . 7th Feb., 1974

- <del></del>	-	•		
Shri Sebastian Joseph 7th May, 1974	_ C1	No. Name of post		
Shri Jai Prakash Shaima . 7th June, 1974 Shri Narendta Kumar Srivastava . 4th March, 1974			Posted at	Date
Shri Ramesh Chander A101a . 2nd Feb , 1975	7.	Dr. Keshav Singh	Gun & Shell Factory,	5-9-77
Shri S. Rajagopalan 7th Feb., 1974		Sagar, Assistant Medical Officer	Cossipore	
Shii Lachhman Kumai 29th March, 1974	8.	Dr. Prati Pal,	Ordnance Equipment	29- <b>9-</b> 77
Shri R. Padmanabhan Nan 7th Feb , 1974	٠.	Assistant Medical Officer	Lactory, Kanpur	29-3-11
Shri Mehar Singh 7th Feb , 1974	9	Dr. (Ku) Savitri Ihaija,		1-9-77
Shri Pulak Kanti Bhownuk . Ist June, 1974 Shri Nanda Kumar . Ist March, 1974		Assistant Medical	Bhandara	, ,
Shri Bhoop Singh 27th Apl., 1974		Officer		
Shri Mahesh Prasad . 7th Teb., 1974	10.	Dr. Srikrushna	Ordnance Factory,	30-8-77
Shri Arippa Kungatty Surendran 2nd Dec., 1974		Mahapatra, Assistant Medical	Bhandara.	
Shri Krishna Kumar Garg 13th Jan., 1975		Officer		
Shri Dinesh Mohan Gupta . 28th Nov., 1974	11	Dr. (Smt.) Gceta	Gun & Shell	29-9-77
Shri Samındra Nath Dutta . 17th Feb., 1975	• •	Mohanty,	Factory, Cossipore.	29-3-11
Shri Sushil Thakur		Assistant Medical Officer.	•	
Shri Kushan Gopal Gupta . 18th Nov., 1974				
Shri Raman Gumber 7th Feb., 1975	12.	Dr. P. V. Prakasha Rao,	Gun Carriage	3-10-77
Shri Piakash Naiayan . 10th Feb., 1975 Shri Sita Ram Agrawal . 3rd Jan , 1975		Assistant Medical Officer	Factory, Jabalpur,	
Shri Sita Ram Agrawal 3rd Jan , 1975 Shri Krishna Swaroop Gupta 17th Feb., 1975	12	-		** *
Shri Baboo Ram Monga . 23rd Apl., 1975	13.	Dr. B. Nageswara Rao Subudhi,	Ammunition Factory, Kirkee.	27-9-77
Shri Amil Kumar Shukla . 2nd Dec , 1974		Assistant Medical Officer	ructory, Kirkeer	
Shri Rajinder Kumar 17th Jan, 1975	14.	Dr. P.V. Chandran,	Ammunition Factory,	5-9-77
Shri Rakesh Babu 29th Apl., 1975		Assistant Medical	Kirkee	3-9-11
Shri Shahab Ahmad 17th Feb., 1975		Officer	•	
Shri Ashok Kumai Malik 28th Nov., 1976	15.	Dr.D. Sreenivasan,	Ordnance Factory,	14-9-77
(since released) Shri Chandra Prakash Gupta 17th Feb., 1977		Assistant Medical Officer	Varangaon,	
Shri Satish Chander Malhotra . 25th Nov., 1974	16		A	
	10.	Dr. Sundaresh Kumar P, Assistant Medical	Ordnance Factory, Khamaria.	7-10-77
The 29th December 1977		Officer	Kilanaja.	
No. 86/77/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. D.M. with effect from the	17.	Dr. Prafulla Kumar	Ordnance Factory.	7-9-77
date shown against him, until further orders:—		Rath, Assistant	Khamaria.	7-3-77
Shri K. K. Bhattacharjee, Offg. A.M., 19th Sept. 1977.		Medical Officer	T CHICHTEN	
No. 87/77/G,—The President is pleased to appoint the	18	Dr. Arup Roy,	Gun & Shell	12-9-77
undermentioned officer as Offg. Manager w.e.f. the date		Assistant Medical	Factory, Cossipore.	12 5-17
shown against him, until further orders:	10	Officer	0.1	
Shri Sukrishan Das, Pt. Dy. Manager, 30th June, 1977.	19	Dr. B. Rajendran, Assistant Medical	Ordnance Factory, Khamaria.	13-10-77
M. N. SHUKI A		Officer.	4 4 1114 - 4 24 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	
Asstt. Director General, Ordnance Factories.	20.	Dr. Sachitrananda	Metal & Steel	17-8-77
Assit. Director General, Oldhance Paciones.		Mohanty, Assistant Medical Officer	Factory, Ishanore.	
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT	21.	Dr. V.J. Jose, Assistant Medical	Cordite Factory,	6-9-77
FACTORIES		Officer.	Aruvankadu.	
Calcutta, the 29th December 1977	22	Dr. Mohanta K.	Ordenses Frankrik	10.0.77
No. 2/77/A/M—The President is pleased to appoint the following officers with effect from the date indicated against		Langthasa,	Ordnance Factory, Katni.	19-9-77
each until further orders		Assistant Medical	- 2007/2007	
		Officer		
Sl, No. Name & Post Posted at Date	23.	Dr. R.S. Krishnamurthy Assistant Medical	Ammunition Factory, Kirkee.	10-10-77
		Officer	Kirkee,	
1. Dr. Subhas Chandra Ordnance Fy. Dum Dum 5-10-77 Misra. Assistant	24	Dr. Hamandra Sinah	Clathana Fasten	10 10 77
Misra, Assistant Medical Officer	44.	Dr. Hemendra Singh, Assistant Medical	Clothing Factory, Shahjahanpur,	10-10-77
2. Dr. Jogendra Nath Metal & Steel Factory, 10-10-77		Officer.		
Prusty, Assistant Ishapore.	25.	Dr. P. Krishnamurthy,	Ordnance Factory,	15-9-77
Medical Officer		Assistant Medical	Kanpur.	12-2-11
3. Dr. P. V. Rama Subba Vehicle Fy. Jabalpur 10-10-77		Officer		
Reddy, Assistant Medical Officer	26.	Dr. A. Tyagı,	Ammunition Factory,	5-9-77
4. Dr. V. K. Gaur, Ordnance Fy. Chanda 24-9-77		Assistant Medical Officer	Kirkee	
Assistant Medical Officer	27.	Dr. Balakrishna Panda,	Rifle Factory,	7-10-77
5. Dr. K. P. Som Kumar, Ordnance Fy. Ambarnath		Assistant Medical	Ishapore.	, , ,
Assistant Medical Officer 3-10-77		Officer		
6. Dr. Vinoy Kumar Clothing Factory, 10-10-77	28.		Ordnanco Factory,	6-10-77
Chanda, Shahjahanpui. Assistant Medical Officer		Assistant Medical Officer	Khamaria.	
	-			<del></del>

SI. Name & Post No.	Posted at	Date
29. Dr. S.G. Vashista, Assistant Medical Officer.	Ordnance Factory, Ambajhari.	20-10-77
30. Dr. Biswanath Saha, Assistant Medical Officer	Mctal & Steel Factory, Ishapore.	15-9-77
31. Dr. MRL Kumar, Assistant Medical Officer.	Clothing Factory, Avadí.	1-11-77
32. Dr. V.M. Chandra- sekharan, Assistant Medical Officer.	Vehicle Factory, Jabalpur.	7-11-77

P. N. TRIKHA

Director of Health Services

for Director General

Ordnance Factories

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVES Nagpur, the 23rd December 1977

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969:

#### Under Class 2-NITRATE MIXTURE

- (i) in the entry "PERMAFLO—5" for the figures "1977" the figures "1978" shall the substituted.
- (ii) Under Class 3—Division—1 in the entry "SOLIPRUF" for the figures "1977" the figures "1978" shall be substituted".

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 3rd January 1978

No. A-1/1(882)/si.—The President is pleased to appoint Shri Surjit Lal, an officer of Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A', on his reversion from deputation with Projects and Fquipment Corporation of India Ltd., to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi from the forenoon of the 1st December, 1977 and until further orders.

SURYA PRAKASH

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies & Disposals

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 28th December 1977

No. 4(74)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Kailash Kumari Gupta as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from 1st December, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General

## New Deshi, the 31st December 1977

#### CORRIGENDUM

No. 10/72/77-SIII.—The name "S. SHANKARAN" appearing in the second line of Notification No. 10/72077-SIII dated 26-10-77 may be read as "S. SANKARAN"

V. KRISHNAMURTI Deputy Development Officer for Director General

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 31st December 1977

#### NOTICE

Ref. D/1375/FRD/Est. V/4834.—The following order which was sent by Registered A/D to Shri Jolly Anthony D'Costa, Tradesman 'A' of this Research Centre at his address on 23-11-1977 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 28-11-1977 as "left the place and hence returned to the sender". The order is therefore to be published in the Gazette.

#### "ORDER

In terms of para 1(a) of the offer of appointment No. PA/63(18)/76-R-II dated March 18/19, 1977 and Memorandum No. PA/D/1375/R-I dated July 20, 1977, the services of Shri Jolly Anthony D'Costa, Tradesman 'A', PREFRE on probation, are hereby terminated forthwith.

G. B. KULKARNI Head, Personnel Division

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400 008, the 29th December 1977

No. 05045/77/6800.—Officer-on-Special Duty., Heavy Water Projects, appoints Shri Hashmat Vishindas Awatramani, a permanent Assistant and officiating Administrative Officer III of Heavy Water Project (Kota) who is now on foreign service with National Institute for Training in Industrial Engineering, Bombay as an Assistant Personnel Officer in a substantive capacity in Heavy Water Projects w.e.f. August 1, 1977.

Ref. HWPs/Estt/1/G-39/6801.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yeshwant Purshottam Gharpure, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office for a further period, from November 11, 1977 to November 24, 1977 vice Shri R. N. Ramchandani, Assistant Personnel Officer, granted extension of leave.

### The 30th December 1977

No 05052/77/6838.—Officer on Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri D. P. Mathur, a permanent Clerk Grade I and officiating Section Officer (Accounts) of Western Railway presently on deputation to Heavy Water Project (Baroda) as Assitant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer in the same project in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from November 21, 1977 to December 24, 1977 vice Shri R. B Kulkarni, Accounts Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY Senior Administrative Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE

### ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 17th December 1977

No. 020/3 (061)/77—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to the posts mentioned against their names in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space in a temporary capacity with effect from the forenoon of the dates as indicated against each and until further orders:—

Sl.No. Name	Designation	Date
1. Shri R. Selva Kumar	Engineer SB	1-9-77
2. Shri P. R. Ramraj	Engineer SB	30-9-77
3. Shri Mohd. Ghouse	Engineer SB	10-10-77
4. Shri A. Narayanaswamy	Engineer SB	14-11-77
5. Shri Syed Tamizuddin	Engineer SB	12-12-77

S. K. BASHU Administrative Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th December 1977

No. A.31013/3/76-EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Senior Air Safety Officer, in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 13th September, 1977.

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

## FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES, DEHRA DUN

Dehra Dun, the 27th December 1977

No. 16/279/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Methew George as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme, Forest Soils Laboratories, Forest Soilcum-Vegetation Survey, Coimbatore, under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 9th December, 1977 until further orders.

## The 28th December 1977

No. 16/264/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Himadri Ranjan Dhar, Forest Ranger of the Tripura Forest Department as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Setting up Seed Bank and Seed Improvement and Tree Breeding Centres, Burnihat, under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 11th July, 1977 until further orders.

## The 29th December 1977

No. 16/276/77-Ests-I.—The President Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Dinesh Prasad Uniyal, Research Assistant Grade I as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "(i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centres, Hyderabad" at its Regional Centre at Dehra Dun under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 27th October, 1977, until turther orders.

## The 31st December 1977

No. 16/275/77-Ests-l.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri C. J. S. K. Emmanuel as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme (i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Coimbatore under the

Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 15th December, 1977, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR Kul Sachiv Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 29 December 1977

F. No. II/3E(a)2/77 Pt. I—The following selection grade of Inspectors have an promotion assumed charge as Officiating Superintendents of Central Excise Group B in the Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

S.No.	Name						Date of assumption of Charge
1. Shri s	S. K. Makhijani	,			•		20-4-76 (A.N.)
2, Shrì	C. Y. <b>De</b> vasthali						1-5-76 (F.N.)
3 Shri I	P.A. Chonkar						28-6-76
	Guru Sharan Sin	øh	•		•	•	28-6-76
	J.O. Patel	P.11	•	•	'	•	21-6-76
	S.S. Risbood	•	•	•	•		23-6-76
	M. J. D'souza	•	•	•	•	•	24-6-76
	V. K. Joshi	•	•	•	Ċ		30-6-76
	A. F. Gonsalves	•	•	•	Ċ	•	23-6-76
	T. Keshwani	•	•	•	•	•	26-6-76
	A. K. Khopkar	:		•	·		26-6-76 (A.N.)
12, Shri I	3,S. Pawar						22-6-77
13. Shri V	J.D. Surti						24-6-76
14. Shri I	L. R. Ahire						6-9-76
15. Shri I	B.A. Kamble	,		,			8-9-76
16. Shri 1	D.T. More						7-9-76
17. Shri S	S.V. Kamble						24-9-76
	B.N. Kawle			, .			4-10-76
19. Shri I	P. G. Garude			,			6-10-76
20. Shri 1	H. J. Netto						7-2-77
	B.D. Patel						9-2-77
22. Shri S	S.B. Wanzare						8-2-77
23. Shri 1	B.D. Natu						7-2-77
24. Shri l	R.K. Padki						8-2-77
25. Shri (	G. V. Dharap						7-2-77
26. Shri !	R.S. Panjwani						19-2-77
27. Shri S	S.G. Nanday						1-3-77
28, Shri l	B.N. Singh						25-3-77
29. Shri <i>i</i>	A.B. Vaidya						5-4-77
30. Shri I	R.M. Rajadhyax						4-6 <del>-</del> 77
31. Shri I	R.N. Bhosala						8-7-77
	K. L. Desai						19-7- <del>7</del> 7
33. Shri l	V. K. Chavan						21-7-77

E. R. SRIKANTIA
Collector of Central Excise

## Kanpur, the 26th December 1977

No. 127/77.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur/Allahabad Estt. Order No. I/A/354/77 dated 23-9-77 issued under endt. C. No. II-140-Estt/76/Pt./44626 dated 23-9-77 in the pay scale of Rs. 650—30—

740-35 -810 EB-35-880-40-1000 -EB-40-1200 1200 Shi J. P. Mushran, Inspector (S.G.) Central Excise assumed the charge of Superintendent Central Excise Group 'B' Ghaziabad-I Division in the forenoon of 24-9-77.

No. 128/77.—Shi Daman Singh, Office Superintendent Central Excise promoted to the grade of Administrative Officer, Central Excise Group 'B' vide Central Excise Collectorate, Allahabad/Kanpur Estt. Order No. 53/77 dated the 10th March, 1977 issued under endt. C. No. II(3)98-Estt/77/6839 dated the 11th March, 1977, took over the charge of Administrative Officer, Central Excise Group 'B' Kanpur-I division in the forenoon of 4-6-77 relieving Shri R. P. Nanda, Superintendent Central Excise, Kanpur-I of the additional charge.

K. PRAKASH ANAND

Collector

### Patna, the 27th December 1977

C. No. II (7)1-ET/77—The following Superintendents Group "B" of Central Excise/Customs Collectorate, Patna have retired from service superannuation with effect from the dates and hours indicated against them:—

Sl. No. Name			- <u>-</u> -		Date of Super- annuation
1. Shri K. P. Choudhary .			·		31-8-77 (A.N.)
2. Shri B. N. Shrivastava .			-	•	30-9-77 (A.N)
3. Shri R. K. P. Sinha	•	•	•		31-10-77 (A.N)
4. Shri J. N. Wahadar .				٠	30-11-77 (A.N.)
5. Shri B. Nicholas .			•		30-11-77 (A.N.)

#### The 3rd January 1978

C. No. II(7)1-ET/77/58.—Shri N. S. Mukherjee, officiating Assistant Collector of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-8-77 (A.N.).

H. N. SAHU
Collector
Central Excise

## CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS

## OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

### (NARCOTIC DEPARTMENT)

Gwalior-6, the 30th December 1977

- S. No. 9.—On his transfer from Central Excise Collectorate, Allahabad, Shri H. S. Bedi, Superintendent of Central Excise Group 'B' took over charge as District Opium Officer, Bhawanimandi in the forenoon of 7-9-1977.
- S. No. 10.—On his transfer from Chittorgarh I Division Shri D. B. Sharma, District Opium Officer, assumed charge as District Opium Officer, Badaun in the forenoon of 7-9-1977.
- S. No. 11.—On his transfer from Bhawanimandi, Shri H. S. Bedi, District Opium Officer assumed charge as District Opium Officer Chittorgarh in the forenoon of 18-9-1977.

S. No 12.—On his transfer from Gwalior, Shri D. D. Sharma, Intelligence Officer, assumed charge as District Opium Officer, Aklera in the forenoon of 4-11-1977.

M. L. WADHAWAN

Narcotics Commissioner of India

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 31st December 1977

No. A-19012/629/76-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. R. Sharma, Senior Professional Assistant (Publication) to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Publication) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis w.e.f 12-12-77 (F.N.) for a period of six months or till the post of Assistant Director (Publication) is filled on regular basis, whichever is earlier.

Shri S. R. Sharma, assumed charge of the post of Extra Assistan Director (Publication), in the Central Water Commission w.e.f. the above date and time.

J. K. SAHA

Under Secy.

(excluding),

Balharshah

Central Water Commission

## MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 28th December 1977

No. 77/EB/707—It is hereby notified for general information that the existing Secunderabad Division having broad gauge and metre gauge systems has been bifurcated into two Divisions, viz., Hyderabad (M.G.). Division and Secunderabad (B.G.) Division with effect from 17th November, 1977. Both the Divisions will remain under the Control of South Central Railway. The territorial jurisdictional limits of the Divisions are as under:

Headquarters (1)	Jurisdiction (2)
I. Hyderabad (M.G).	This will be a division under the charge of a Divisional Superintendent with territorial jurisdiction over the metre gauge system, i.e. Dronachellam (excluding) to Manmad (excluding) to Manmad (excluding). Parbhani—Parli Vaijnath, Mudhked—Adilabad and Janakampet-Bodhan branch lines. All the Welfare institutions, schools, colleges and hospitals in twin city area will be under Divisional Superintendent/Hyderabad (M.G.). Any communication pertaining to this M.G. system may be addressed to the Office of the Divisional Superintendent, Hyderabad (M.G.), Sarojinidevi Road, Secunderabad—500 025.
2. Secunderabad (B.G.)	The broad gauge system from Wadi (excluding) —-Hyderabad-Secunderabad-Kazipet, Kazipet-

Kazipet-Rayanapad (excluding), Dornakal-Karepalli-Singarent, Karepalli-Bhadrachellam Road and Vikarabad-Parli Vaijnath, will be under the control of the Divisional Superintendent, Secunderabad (B.G.). Any communication pertaining to this system should be addressed to the Office of the Divisional Superintendent, Secunderabad (B.G.), Sarojinidevi Road, Seçunderabad—500 025.

B. MOHANTY

Secy. Railway Board & ex-officio Jt. Secy.

## NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 26th December 1977

No. 21.—Di. K. Roy Vaid officiating Assistant Divisional Medical Officer Grade Rs. 700—1600 (Cl. 1) of this Railway has retired from Railway service from the afternoon of 30th November, 1977.

G. H. KESWANI General Manager

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA

Bombay, the 29th December 1977

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Indentor's Syndicate (Private) Limited

No. 4938/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Indentor's Syndicate (Private) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Technicans Ineffective Advertising & Marketing Private Limited

No. 15149/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Technicans Ineffective Advertising & Marketing Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANF

Asstt. Registrar of Companies

Maharashtra, Bombay

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- - --- - -

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 9. FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubasneswar-9, the 2nd January 1978

Ref. No. 62/77-78/(AR)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 10 situated at Bhubaneswar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 8-4-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Shrimati Ashalata Mishra (2) Sri Nila Kantha Mishra,

(Transferor)

(2) Orissa Forest Corporation 1 td., Represented by Managing Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building situated over N.A.C. Holding No. 1790, Ward No. 10, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 2381 dated 8-4-77.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar,

Date: 2-1-1978

Sqal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 4th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.1/SR.HII/37/May-1(21)/77-78/4906.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing J-71, situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

 Shri Ramditta Mal, s/o Shri Sadhu Ram r/o 292, Govindpuri, Gali No. 4, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Virender Kumar Narang, s/o Shri Ram Saran Narang, r/o 78, Amritpuri, Lajpat Nagar, New Delhi through his G.A. Shri Ram Saran Narang. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 347 sq. yds. bearing No. 71 Block No. 'J' situated at Kalkaji, New Delhi and bounded as under:—

East: Road West: S. Lane North: Plot No. 70 South: Plot No. 72

> J. S. GLL-Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 4-1-1978

Soal:

#### 315

#### FORM TINS\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION PANCE, 54 RAFI AHMFD LIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1978

Ref. No. 400/Acq.R-III/77 78/Cal/.Whereas. 1 KISHORF SEN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baying a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No.

Flat No. 'B' on 5th Floor situated at No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth far Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

9 426GI/77

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Scheme Pvt. Ltd., 6. Harrington Street, Calcutta-16

(Fransferor)

(2) Sri Pranob Kumar Dey, 132, Nagendra Nath Road, Calcutta-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FYPTANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Flat No 'B' on the 5th Floor of the building known as 'Jay Jayanti situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta registered under deed No. I-1801 of 1977 before the Registian of Assurances, Calcutta

> KISHORE SEN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16

3-1-1972 Date

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1977

Ref. No. 913-A/Acq/Kanpur/77-78/6116.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

AS PER SCHTDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 18-4-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Decrak Garg, 113/208, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Malhotra and Kali Charan Mehrotra, 7/77, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferee)

S/Shri
(3) Raiendra Kumar.
P. G. Thomas,
P. C. Konan,
Gayatri Tripathi,
Kamal Bhan,
T. N. Sangal and
S. K. Singh
(All Tenents)

[Persons in occupation of the property]
Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing No. 117/42, Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

R. P. BHARGAVA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-12-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1, BOMBAY

Bombay, the 5th January 1977

Ref .No. ARI/2015-1/May 77.—Whereas, I, F. J. FER-NANDEZ.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

C.S. 5/669 of Malabar and Cumballa Hill Division, situated at Altamount Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Shankerbhai Ranchhodbhai Patel.
(Transferor)
S/Shri

(2) Bahalchand A. Jain, Sumitradevi B. Jain, V. A. Jain, Kantadevi V. Jain and Ravichand A. Jain.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 2339/71/Bom and registered on 6-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5th January, 1978

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE—BOMBAY

Bombay, the 6th January 1978

Ref. No. ARI/2018-4/May 77.—Whereas, I, F. J. FER-NANDEZ,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25000/2 and hearing

ing Rs. 25,000/- and bearing C. S. 1/39 of Lower Parel Division situated at Jacob Circle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 7-5-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Star Construction Corporation.
- (Transferor)
- The Vanguard Apartment Co-operative Housing Society Ltd.

(") ransteree)

3. Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

SCHEDUJE as mentioned in the registered deed No.1035/72/Bom, and registered on 7-5-1977 with the Sub Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-1-78

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Rishabh Kumar Jain, S/o Kanchadilal Jain, R/o Sagar.

(Transferor)

(2) Smt Urmila Devi, W/o Shri Dr Shyam Bihari Tiwari, R/o Bina-Itawa, bina.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BHOPAL

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref No IAC/ACQ/BPL/77-78/911 —Whereas, I, R K BALI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act.), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

I and area 7 662 Hectare, Kh No 31 at Gram Malkhedi feh Khurai, Distt Sagar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) he be a transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurai on 4-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by an other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land area 7 662 Hectare, Khasra No. 31 at Gram Mal-khedi, Teh. Knurai, Distt. Sagar.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date 2-1-1978 Seal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Rishabhkumar Jain, s/o Shri Kanchhedilal Jain, r/o Sagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chakrapani,
2. Shri Ram Murti,
3. Shri Krishna Murti,
All s/o Shri Dr. Shyam Bihari Tiwari,
All r/o Bina-Itawa, Bina.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd January 1978

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/912.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land arga 7.663 Heet. Kh. No. 31 and 34, situated at Gram Malkhedi, Teh. Khurai, Dist. Sagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurai on 4-5-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land area 7.663 Hect. Kh. No. 31 and 34, situated at Gram Malkhedi, Teh. Khurai, Distt. Sagar.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 2-1-1978

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER

OF INCOME-TAY

ACQUISITIN RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77 78/913 —Whereas, I, R  $\,$  K BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

H. No 159 and 169 situated at Subhash Waid, Station Road, Mundwara, Distt Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mundwara on 9 5 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) 1. Shri Muila Saifuddin,

8/0 Shri Tahir Ali.

2 Shri Fida Hussain

3 Shri Fakruddin,

4 Shri Jubbar Hussain,

5 Shii Fazduk Hussain,

6/0 Haji Yusuf Ali,

All R/0 Bhimgani Mandi, Kota

(Transferor)

(2) 1 Shri Jairamdas,
 s/o Shri Jaday Das,
 2 Shri Ashok Kumar,
 s/o Shii Jodhamal,

3 Shri Haiishkumar, 4. Shii Anilkumar, 8/0 Shri Jodhamal,

All r/o Robert I ine, Kətni Camp, Katnı, Teh Mundwara

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scivice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No 159 and 169 situated at Subhash Ward, Station Road, Mundwara, Distt Jabalpur

R. K BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date . 2-1 1978 Scal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/914.—Whereas, I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and being No.

One house five rooms on ground floor, 2 rooms on first floor situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 16.5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. F. Rustamii,
 Smt. Naju K. Rustamji,
 w/o Shii K. F. Rustamji,
 Smt. K. J. Viveira,
 d/o Shri I. F. Rustamji,
 Master Cyrus Rustamji,
 s/o Shri K. F. Rustamji,
 All resident of 8-2/2 Safdarganj Enclave,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) I. Kumari Sumangala Vatal,
d/o Mr. K. N. Vatal,
2. Smt. Arhlesha Sheopuri,
w/o Shri Arun Sheopuri,
Residents of F-1/18? Arera Colony, Bhopal.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house five rooms on ground floor, 2 rooms on first floor situated at Bhopal

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 2-1-78

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.
BOMBAY

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/915.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house (double storeyed) Block No. 69, situated near Indore Gate, Uijain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 27-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

10-426GI/77

Shri Gulabchand.
 s/o Shri Bapulal Mahajan,
 r/o 152 Dashera Maidan,
 Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Sabir Hussain, s/o Shri Haji Abdul Ali Bhai, Contractor, r/o Chhatri Chowk, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house (double storeyed), Block No. 69, situated near Indore Gate, Ujjain.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 2-1-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. IAC/ΛCQ/BPL/77-78/916.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 portion of plot area 1080 sq. ft. and portion of H. No. 396, Khasra No. 4/1 (Western portion) situated at Pipariya and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pipariya on 24-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vallabh, s/o Shri Motilal Sodani, r/o Pipariya.

(Transferor)

(2) Shri Brijmohan, s/o Shri Motilal Agarwal, r/o Sardar Patel Ward, Pipariya.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 portion of plot area 1080 sft. 1/2 portion of house No. 396, Khasra No. 4/1 (Western portion) vacant plot and compound wall situated at Nehru Ward, Pipariya.

> R. K. BALL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-1-1978

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shii Avanish (Minor).

(1) Shii Vallabh, s/o Shri Motilal Sodani,

r/o Pipariya.

#### (Transferor)

s/o Shri Brijmohan Agrawal, r/o Pipariya.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. BAC/ACQ/BPL/77-78/917.—Whereas, I, R. K. BΛLJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 portion of H. No. 396, Kh. No. 4/1 and 1/2 portion of plot area 1080 sft. situated at Nehru Ward Pipariya... (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908), in the office of the Registering Officer at Pipariya on 24-5-1977

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meoms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 portion of H. No. 396, Kh No. 4/1 (Eastern side). 1/2 portion of Plot area 1080 sft. one office room, compound wall and vacant plot.

R. K. BALL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Date: 2-1-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 2nd January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/918.—Whereas, I. R. K. ΒΛΙΙ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Converted land of Ward No. 10, P.II. No. 13/2, Kh. No. 337/3, 337/1 with godown and a well situated at Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Act, 1908 has been transferred under the Registration (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 4-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. Shri Hari Prasad,

2. Shri Damodar Das and

3. Shri Ramnarain, s/o Shri Ghanshyamdas Asati, r/o Balaghat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shobharam,

s/o Shri Baliram Chandrawar and 2. Shri Dhalakram,

s/o Suransav Sakre,

r/o Wad No. 11, Balaghat.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- the said (b) by any other person interested in immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Converted land of Ward No. 10 P.H. No.13/2, Kh. No. 337/3, 337/1 with godown and a well situated at Balaghat.

R. K. BALI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Seal:

Date: 2-1-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th December 1977

C.R. No. 62/9340 77-78/ACQ/B —Whereas, J. J. S. RAO. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

All that piece and parcel of the Cround floor portion of the property bearing No. 4, Bayappa Cross Road in Shantinugar, Bangalore-27, exclusive of the main gate situated in the Western side leading to the first floor and the garage situate in the south west corner, and

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jayanagar, Bangalore. Document No. 98/77-78 on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) Shii M. R. Siddalingaraje Uts alias M. R. Mahesh, S/o Sri M. L. Raje Uts, 'Rachappan Krupa", Lakshmipuram, Mysore-4.

(Transferor)

(2) Shii B. C. Byrappa, S/o Late B. Byrappa, Cloth Merchant, Chickpet, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property' may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

I XPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 98/77-78 dated 14-4-77] All that piece and parcel of the Ground floor portion of the property bearing No. 4, Basappa Cross Road in Shanti Nagar, Bangalore, exclusive of the main gate situate in the Western side leading to the First floor and the garage situated in the South West Corner, bounded East 1 at R. Burgapa's hour.

East: I ate B. Bytappa's house

West: the passage in property No 4, leading to garage on the 1st floor, and site No. 5, now belonging to Shir Abdul Rashid

North: 30 ft Road, Basappa Cross Road,

South: Site No , belonging to Shir Gonsolves in Survey No 30/2.

J S RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-12-1977

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### i. Smt. Prem Parkash Kaur, ii. Shri Gulraj Singh Grewal, 7-Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh Gill, Kothi No. 30, Sector 2-A, Chandigarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK Rohtak, the 3rd January 1977

Ref. No. CHD/25/77-78/.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

64, Sector 2-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1257 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house (with garrage and servants quarters) bearing No. 64, Sector 2-A, Chandigarh built on a freehold plot measuring 2000 sq. yards.

(Property as mentioned in sale deed registered at serial No. 186 of May, 1977 of the Registering Authority, garh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 3-1-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONFPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th December 1977

Ref. No. CHD/46/77-78/.—Wherens, I, RAVINDER KUMAR PATIIANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2245, Sector 21-C, situated at Chandigath

House No. 2245, Sector 21-C, situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in July, 1977.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, pamely:—

Shri Bhan Singh,
 S/o Shri Inder Singh,
 House No. 2245, Sector 21-C, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Smt. Satya Wati w/o Late Dr. Gursharan Dass, House No. 2245, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double Storey residential house bearing No. 2245, Sector 21-C, Chandigarh built on a free-hold corner plot measuring 565.5 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 483 of July, 1977 in the office of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak,

Date: 29-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Bandaru Venkatasubbamma, W/o Shri Subrahamanyam Proddatur Cuddapah-Dist.

(Transferor)

 Sri Ambati Subrahmanyam, S/o Obaiah, Accountant, of D.V C. Factory, Proddatur Cuddapah Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd January 1978

Ref. No. RAC. No. 173/77-78.—Wherens, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have season to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 18/442 situated at Main Bazar, Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 26-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Door No. 18/442 situated at Main Bazar, Proddatur-Cuddapah-Dist, registered vide Document No. 1508/77 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-1-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th January 1978

Ref. No. RAC No. 174/77-78,-Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 50 on Abid Shopping Centre situated at 5-8-512

Chiraguli lune Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

11-426GI/77

Sri M. Padma Rao, S/o Pandurangachari, H. No. 22-4-499 at Kotla Alija, Ehtebar Chowk, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanteti Satyanarayana Raju S/o Bhujanga Raju, H. No. 8-2-438/1 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid регаопа within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing Shop No. 50 of extent of 220 Sq. ft. including fixtures and furniture on the ground floor of "Abids' Shopping Centre", at M. No. 5-8-512 to 517/A Chiraga Ali lane, Hyderabad registered vide Document No. 1211/77 in the office of the Registrar of Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMNA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-1-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 5th January 1978

Ref. No. AP.72/BT1/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Sappan Wali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohai on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salu Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: —

 Shri Sunil Kumar S/o Sh. Kishore Chand S/o Shri Khem Chand, Street No. 7, Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Singh S/o Sh. Sunder Singh S/o Shri Chokha Singh, R/o Sappan Wali, Teh. Fazilka.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 123 kanal 16 marlas in village Sappan Wali as mentioned in registeration deed No. 354 of May, 1977 registered with the S. R. Abohar,

P. N. MALIK

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th January 1978

Ref. No. AP-73/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Santa Singh S/o Sh. Mukha Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shii Rakesh Kumai S/o Sh Gian Chand C/o M/s Gian Chand Lachman Dass, Circular Road, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S<sub>1</sub>. No 2 above [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 20150 Sq. ft. situated at Nanak-sar-Fazilka Rond, Abohar as mentioned in registration deed No. 236 of May, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda the 5th January 1978

Ref. No. AP-74/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Λbohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santa Singh S/o Sh. Mukha Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.
  - (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar S/o Sh. Gian Chand C/o M/s. Gian Chand Lachman Dass, Circular Road, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any body interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 21692 sq. ft. situated at Nanak-sar-Fazilka Road, Abohar as mentioned in registration deed No. 214 of April, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978.

Soul ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OR INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th January 1978

Ref. No. AP.75/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/-and bearing

No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Faridkot on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajaib Singh S/o Sh. Wazir Singh Kler, Hospital Road, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Smt. Darshna Devi W/o Sh. Om Parkash, Gian Market, Kot Kapura.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any body interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/6th share of 250 sq. yards property situated at Kot Kapura as mentioned in registration deed No. 92 of April, 1977 with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th January 1978

Ref. No. AP-76/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1903) in the office of the Registering Officer at Faridkot on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sadhu Singh S/o Sh. Wazir Singh Kler, Hospital Road, Kot Kapura (FDK).

(Transferor)

(2) Shri Kamal Jindal S/o Sh. Om Parkash, Gian Market. Kot Kapura.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any body interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/6th share of 250 sq. yards property situated at Kot Kapura as mentioned in registration deed No. 91 of April, 1977 with the S.R. Faridkot,

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 5th January 1978

Ref. No. AP-77/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on April, 1977

for an apparent

transfer with the object of :-

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Atma Singh S/o Sh. Wazir Singh, Kaler, Hospital Road, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/o Sh. Des Raj, Grain Market, Kot Kapura.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any body interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th share of 250 sq yards property situated at Kot Kapura as mentioned in registration deed No. 90 of April, 1977 with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 5-1-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

338

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACUQISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 28th December 1977

Ref. No. AP-1740.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Plot No. 170-New Jawahar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) M/s Redlay Sports
through Sh. Vipan Mahajan
S/o Sh. Girdhari Lal Gupta &
G.A. Smt. Sudershna Kumari
W/o Shri Kasturi Lal Mahajan and
Smt. Kiishna Kumari
W/o Shri Tilak Raj Mahajan
R/o Suraj Kund Road, Meerut and
Sh. Vimal Gupta
S/o Shri Girdhari Lal Gupta and
Shri Girdhari Lal Gupta,
130 Adarsh Nagar, Jullundur,
Prop: & Partner of Redlay Sports,
Basti Nau, Jullundur.

(Transferor)

(2) 1 Shri Avnash Chander Gupta, S/o Shri Daulat Ram, EF-506-Krishan Nagar, Jullundur and

 Smt. Sushma Bhalla W/o Shri Baldev Bhalla, 52-New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 1046 of May, 1977 of the Registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 28-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A Shanmugha Sundaram (for M/s Anamalai Bus Transport (P) Ltd.

(Transferor)

(1) Shri Ittira (For M/s Kanichai Movic Enterprises)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN

Ernakulam, the 15th December 1977

Ref. L.C. No..—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Sy. No. as per schedule situated at East Chalakudy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalakudy on 23-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

64—— cents of land with buildings in Sy. No. 201/2, 4
1000
of East Chalakudy village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 15-12-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ittira (For M/s Kanichai Movie Enterprises)

(1) Shri A. Shanmugham

(Transferce)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN

Ernakulam, the 15th December 1977

Ref. L.C. No. 152/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at East Chalakudy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalakudy on 23-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(For M/s Anamalia Bus Transport Co. (P) Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

39—cents of land with buildings in Sy. No. 203/2 of 1000
East Chalakudy village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 15-12-1977

Scal :

(1) Sri Ravindran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sri Kuhi Muhamed Haji
2. Sri Syed Alavi
3. Sri Pareekutty
4. Sri Aboobaker Kutty.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 15th December 1977

Ref. L.C. No. 153/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Sy. No. as per schedule situated at Tirur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirur on 27-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

91 cents of land with buildings in R.S. No. 190-6 of Thrikandiyoor Amsom desom in Malapuram District.

> C. P. A. VASUDEVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1977

of :--

FORM ITNS-

(1) Smt. Sathyabhama Amma

(Transferor)

(2) Dr. M. A. Abdul Jabbar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MARLENA BUILDINGS M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 15th December 1977

Ref. No. L.C. No. 154/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Muttathara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trivandrum on 25-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

13 cents 918 sq. links of land with a building TC 40/13(2) in Muttathara village in Trivandrum District.

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-12-1977

Scal:

(1) 1. Chandran 4. Rajan 3. Krishnan

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Baby 2. Elsy 3. Mary

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING
M.G. ROAD, ERNAKULAM,

Ernakulam, the 15th December 1977

COCHIN

Ref. L.C. No. 155/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Vadakkancherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 15-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said' Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Estate as per schedule attached to document No. 1306/77, dated 15-4-77.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 15-12-1977

(1) Dr. P. Mohanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Baby, Elsy and Marry

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN

Ernakulam, the 15th December 1977

Ref. L.C. No. 156/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Vadakkancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 22-4-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferce 1or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Estate as per schedule attached to document No. 1395/77, dated 22-4-77.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 15-12-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 16th December 1977

Ref. L.C. No. 157/77-78.—Wherea, I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Durbar Hall Road, Ernakulam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 18-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parvathy Ammal, D/o K. S. Parameswara Iyer, Kalliyathu Madhom, 36/951, Durbar Hall Road, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Sri P. K. Varkey, S/o Parakkadam Kunjappoly, Nehru Nagar, Trichur.

(Transferce)

K. R. Shenoy, Photo Studio, Ernakulam.
 K. C. Joseph, Tailor, Ernakulam.
 E. T. M. Vaidyasala, Ernakulam.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

144 cents of land with buildings in Sy. No. 701/2 and 1142/1 of Ernakulam village vide schedule to document No. 961/77 dt. 18-4-77.

C. P. A. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-12-1977,

Scal ;

(1) Smt. Annamkutty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Anto 2. Smt. Valsa,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDING M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN

Ernakulam, the 16th December 1977

Ref. L.C. No. 158/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chalakudy

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chalakudy on 20-4-77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

39
37—cents of land with buildings in Sy. No. 441/8 in 1000
East Chalakudy Village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-12-1977.

(1) Smt. Madhavi Amma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. P. Surendranath.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS M.G ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Einakulam, the 16th December 1977

Ref. L.C. No 160/77-78.—Whereas, 1, C. P. A. VASUDEVAN,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule situated at Trichur Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 28-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

71 cents of land with buildings in Sy. No. 1950 in Trichur Municipality.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-12-1977

Soal :

13-426GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA Kakinada, the 12th December 1977

Ref No Acq F No 528—Whereas, I, N. K NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

TS No 118 situated at Nagaram Palem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 15-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shaik Hussain,

Shaik Hassan, S/o Shaik Mohd. Saheb,

4 Salauddın,

5 Khairunni, W/o Piramwali

- 6. Jayabunnisa, W/o Mohd. Basha and
- Fatimabee W/o Shaik Mohammad, Nagarampalem

(Transferor)

Varipallı Annapurnama, W/o Suryaprakasarao,
 Smt Modukurı Veeramma, W/o Anjaneyulu,
 Anjaneyaswamywarı temple street,
 Old Guntur, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1544/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-4-1977

N. K. NAGARAJAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-12-1977.

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 529.—Whereas, I, K. N. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

TS No. 490 situated Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 29-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Yellapragrada Rama Mohanrao, S/o Sambasiyarao,
  - Yellapragrada Narayanarao,
  - S/o Sambasivarao,
    - Yellapragada Suryaprakasarao, Minor by guardian mother Y. Sarada, Yellapragada Sarada,
  - W/o Sambasiyarao.
  - 5. Yellapragada Umadovi, D/o Sambasivarao,
  - 6. Yellapragada Nirmal,
  - D/o Sambasivarao,
    7. Brahmandam Laxmisaraswati,

Brahmandam Landon Brahmandam, W/o Subbarao, GPA Holder Sri Y. Venkateswara Vikekanandam, Grodipeta, Guntur.
Y. Venkateswara Vivekanandam, S/o Sambasivarao,

Brodipeta, Guntur. Smt. Brahmandam Indira, W/o Gangadharasarma, Pandaripuram, Guntur.

(Transferors)

(2) Smt. Udipi Laxmi Devi, W/o Gopalarao,
Door No. 5-9-16, 2nd Line,
8th Cross Road, Brodipeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- person interested in the sald (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1834/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortn ght ended on 30-4-1977.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada.

Date: 15-12-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Vakkalagadda Baburao,
 Smt. V. Lakshim, W/o Baburao,
 Rajas Garden, Guntur.

(Transferor)

(2) Kanbala Venkateswarlu, S/o Rangaiah. Etukur Road, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 12th December 1977

Ref. No. F. No. 530.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23-1-60 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Guntur on 21-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1633/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-4-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 531. -- Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-17-1 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 22-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sathar Jani, S/o Shaik Ibrahim, Bridge Road, Jagannaikpur, Kakinada.

(Transferor)

(2) Reddi Venkata Bhagyalaxmi, ]

Reddi Sujata,

Reddi Suryanarayana, Reddi Audimurti.

Minor by guardian Reddivenkataratha, Kakinada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1484/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-4-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Kakinada,

Date: 15-12-1977.

(1) Amma Krishnamurty, adopted S/o Suryanarayana, Peruru, Amalapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mantha Uma Maheswararao, S/o Satyanarayana, Peruru, Amalapuram Tq. E.G. Dt.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 532.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing QS No. 226/2 situated at Peruru

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amalapuram on 7-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1273/77 registered before the Sub-registrar, Amalapuram during the fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 15-12-1977.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 533(3).—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovbale property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No. 229/1 & 2, 226/3 situated at Peruru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office o the Registering Officer at Amalapuram on 7-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ammu Krishnamurty, adopted S/o Suryanarayana Peruru, Amalapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Mantha Sureshkumar, minor by guardian father Umamaheswararao, Peruru, Amalapuram Tq., E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 272/77 registered before the Sub-registrar, Amalapuram during the fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 15-12-1977.

(1) Satti Mennakshamma W/o Late Chandra Reddy, Pekeru, Tanuku Tq. W.G. Dt.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 534.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

RS No. 197/2 & 3 situated at Penugonda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Penugonda on 13-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nallamillt Krishnnaveni, W/o Prahalada Reddi, Marteru, Tunuku Tq., W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 500/77 registered before the Sub-registrar, Penugonda durin the fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 15-12-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Gottumukkala Viswanadharaju, S/o Wenkataraju, Prattallameraka Bhimiwaram Tq WG Dt

(1) Kanumuri Appalaraju, S/o Satyanarayanaraju, Sriramapuram Bhimavaram, W G Dt

#### (Transferee)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONLR
OF INCOMF-TAX,

#### ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakınada the 12th December 1977

Ref No Acq F No 535—Whereas I, N K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing No.

R5 No. 79 & 87/2 situated at Prathalla Metaki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred as per the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 1 4 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later,
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 407/77 registered before the Sub registrar, Undi during the formight ended on 15-4-1977

N K NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Communioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 15-12-1977 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shii Parkash Lal Vohra, s/o. Shri Nihal Chand Vohra, r/o. 2313, Netaji Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Vuruna J. Manghani, w/o. Shri Jai Kumar & Shri Jai Kumar; s/o. Shri Hot Chand, r/o. H-35, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th January 1978

Ref. No. ICA/Acq.I/SR.III/12/April-I(15)/77-78.— Whereas I, J. S. GILL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-153 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 312.5 sq.yds. bearing No. 153, Block No. 'C' situated at resident colony known as Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. C-151

West: Road

North: Service Lane

South: Road

I. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 7-1-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-I,

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-1(110001)

New Delhi, the 7th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/27/April-II(24/77-78.—Whereas I, J. S. GILL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D-1/8 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction o rfevasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Hakam Singh, s/o. Shri Jamiat Singh Alrcraft Overhaul Division, Indian Airlines, Palam, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Kanwal Jit Kaur, w/o. Dr. Harbans Singh, r/o. D-I/8, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A lease-bold property No. D-1/8 measuring 100 sq. yds situated at Lajpat Nagar, New Delhi and bounded as under:

East: Quarter No. D-I/7 West: Quarter No. D-I/18

North : Lane South : Road.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-12-1977

#### कर्मवारी चयम आयोग

दिनांक 2 जुलाई, 1978 को होने वाली लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1978

1. जिस दिन ग्रधिसुचित हई :

14-1-1978

भावेदन-पत्नो की प्राप्ति की श्रन्तिम तिथि:——

13-2-78

(विदेशों से तथा ग्रंडेमान ग्रौर निकोबार द्वीप समृह तथा लक्षद्वीप

से उम्मीदवारों के लिए 27-2-78)

3. रिक्तियों की संख्या

लगभग 3500

(1500 नहीं) जो कि विस्तृत विज्ञापन में दी गई हैं)

4. ग्राय सीमाएं:---

18-25 वर्ष । ऊपरी श्रायु सीमा में श्रनुस्चित जातियो, श्रादिम

जातियो तथा कुछ भ्रन्य श्रेणियों के लिए छट होगी।

5. शैक्षणिक श्रहेताएं:--

मटिक ग्रथवा समकक्ष

मुल्क :──

12/- रु० (श्रनुसूचित जाति/श्रादिम जाति के लिए 3/- रु०) जो पोस्टल आर्डर या बैक ड्राफ्ट ब्रारा दिया जा सकता है। भतपर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नही है।

7. जो उम्मीदवार नीचें के कालम 1 में दिए गए केन्द्रों पर परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें उन केन्द्रों के सामने कालम 2 में दिए गए पते पर अपने आवेदन प्रस्तत करने चाहिए :-

केन्द्र	वह पता जहां ग्रावेदन भेजने चाहिए
दिल्ली, जयपुर, पटियाला, शिमला, श्रीनगर ग्रौर विदेश में कोई भारतीय मिशन	परीक्षा नियंत्रक, (मुख्यालय) कर्मचारी चयन श्रायोग, पश्चिम खंड 1, पोस्ट बेंग 2, रामकृष्णापुरम, नई दिल्ली।
इलाहाबाद, भोपाल ग्रौर पटना	परीक्षा-नियत्नक, (के० क्षे०) कर्मचारी चयन ग्रायोग, 71/3– बी० स्टानले रोड, कमला नगर, इलाहाबाद ।
भ्रगरतसा, कलकत्ता, कटक ग्रौर दिनपुर (गोहाटी)	परीक्षा-नियंत्रक, (पु०क्षे०) कर्मचारी चयन श्रायोग, प्रीमीसिस नं० 15/1 पांचवी मंजिल चौरंगी स्कायार, कलकत्ता ।
श्रहमदाबाद, बम्बई भ्रौर नागपुर	परीक्षा-नियंत्रक (प०क्षे०) कर्मचारी चयन श्रायोग, कारमीलास बिल्डिंग (चौथी मंजिल), जी०टी० हस्पताल के सामने (मेट्रो सिनेमा के निकट) बम्बई।
बंगलीर, हैदराबाद, मद्रास श्रीर त्रिवेन्द्रम	परीक्षा-नियंत्रक, (द० क्षे०) कर्मचारी चयन श्रायोग, 150- ए०एल०एल०ए० बिल्डिंग (दूसरी मजिल) श्रन्ना सलाई, मद्रास।

<sup>1</sup> श्रावेदन सादे कागज पर श्रामन्त्रित किए गए हैं। ब्योरे के लिए, उस विज्ञापन को देखें जो भारत के राजपत्न तथा विभिन्न समाचार पत्नों में दिनांक 14-1-1978 को छपा है।

(हीरा लाल प्रग्रवाल)

#### STAFF SELECTION COMMISSION CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1978 TO BE HELD ON 2ND JULY, 1978

1. Notified on: 14-1-1978.

2. Closing date for receipt of applications

13-2-78 (27-2-78 for candidates from abroad and Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)

3. No. of vacancies: About 3500 and not 1500 as indicated detailed advertisement.

Age Limit: 18-25 years. Upper age limit is relaxable for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories.

Educational Qualification: Matriculation or equivalent.
 Fee Rs. 12/- (Rs. 3/- for Scheduled Caste/Scheduled Tribe) Payable by Postal Order or Bank Draft. Ex-Servicemen are exempt from fee.

Candidates desirous of appearing at Centres given in Column 1 below must submit their applications to the address given against Centres in Column 2.

Centre

Address to which applications should be sent.

Delhi, Jaipur, Patiala, Simla, Srinagar and any Mission abroad.

Allahabad, Bhopal and Patna.

Agartela, Calcutta, Cuttack and Dispur (Gauhati)

Ahmedabad, Bombay and Nagpur.

Controllet of Examinations (H.Q.), Staff Selection Commission, West Block No. I. Post Bag 2, R. K. Puram, New Delhi-110022. Controller of Examinations (C.R.), Staff Selection Commission, 71/3 B, Stanley Road, Kamla Nagar, Allehabad.

Controller of Examinations (E.R.). Staff Selection Commission, Premises No. 15'1, (5th Floor), Chowringhee Square, Calcutta

Controller of Examinations (W.R.), Staff Selection Commission, Carmilos Building (4th Floor), Opposite G.T. Hospital (near Metro Cinema), Bombay.

Bangalore, Hyderabad, Madras & Trivandrum.

APPLICATIONS ARE INVITED ON PLAIN PAPER.
APPLICATE OF INDIA AND VARIOUS NEWSPAPERS MAY BE REFERRED TO.

APPLICATIONS ARE INVITED ON PLAIN PAPER.
FOR DETAILS ADVERTISEMENT THAT APPLARS ON 14-1-78 IN GAZETTE OF INDIA AND VARIOUS NEWSPAPERS MAY BE REFERRED TO.